कुलपति अब्राहम

फिर से उत्पत्ति की किताब, 22वा अध्याय, 15वें पद से शुरू करेंगे, और हम आशा करते हैं कि अब बस कुछ समय के लिए बोलेंगे और सभा को शुरू करेंगे। उत्पत्ति 22, 15वें पद से आरंभ करेंगे।

> *और फिर यहोवा के दूत ने दूसरी बार स्वर्ग से अब्राहम को पुकार के कहा,*
>
> *और यहोवा की यह वाणी है, कि मैं अपनी ही यह शपथ खाता हूं, कि तू ने जो यह काम किया है, कि अपने पुत्र, वरन अपने एकलौते पुत्र को भी, नहीं रख छोड़ा:*
>
> *इस कारण मैं निश्चय तुझे आशीष दूंगा, और निश्चय तेरे वंश को आकाश के तारागण के समान अनगिनित करूंगा, और समुद्र के तीर की* बालू *के किनकों के समान; और तेरा वंश अपने* शत्रुओं *के* फाटकों *का अधिकारी होगा;*
>
> *और पृथ्वी की सारी जातियां अपने को तेरे वंश के कारण धन्य मानेंगी; क्योंकि तू ने मेरी बात मानी है।*

2 क्या ही प्रतिज्ञा है, आज्ञाकारी होने के कारण! आज्ञाकारिता वो होता है जो परमेश्वर चाहता है। ये एक बार कहा गया था, "आज्ञा में रहना बलिदान से बेहतर है।" प्रभु की आज्ञा मानना किसी भी बलिदान से बेहतर है जिसे आप कर सकते हो।

3 अब हम एक आज रात भव्य विषय का आवरण कर रहे हैं, *कुलपति अब्राहम*, जिसे "विश्वास का पिता," बुलाया गया था, क्योंकि परमेश्वर ने उसे और उसके बीज को धरती का उतराधिकार देने की प्रतिज्ञा की थी। और यह अब्राहम के द्वारा हम हैं, जो मसीह में मरे हुए, अब्राहम के बीज बन गये और प्रतिज्ञा के अनुसार उसके साथ वारिस होते है।

4 अब, अब्राहम सिर्फ एक साधारण सा मनुष्य ही था, वो कुछ विशेष नहीं था। परमेश्वर ने उसे कभी नहीं बुलाया, जहाँ तक हमारे पास कोई अभिलेख है, जब तक कि वह पचहत्तर वर्ष का नहीं हो गया। उसकी पत्नी, जो उसकी सौतेली बहन थी, उस समय पर पैंसठ वर्ष की थी, वे हो सकता है तब से लेकर एक साथ रहते थे जब वे बहुत छोटे थे। और वह बाँझ

थी, और उसके कोई सन्तान न थी। परमेश्वर ने एक पूर्ण अलगाव के लिए बुलाया, ताकि खुद को बाकी संसार से अलग करें, और उसके सारे लोगों से, और उसके सारे निकट कुटुम्बियों से। उसे करने के लिए एक विशेष काम था।

5 और जब परमेश्वर आपसे एक विशेष कार्य करने की अपेक्षा करता है, तो वो किसी भी संदेह से पूर्ण अलगाव की माँग करता है। आपको उसकी आज्ञा में आना होगा, ताकि जो परमेश्वर कहता है उसका आज्ञापालन करें। परमेश्वर इसकी मांग करता हैं। आप इसे किसी अन्य तरीके से नहीं कर सकते। और, अब, वह हमेशा एक उदाहरण को रखता है, और अपने पूरे परिवार से पूरी तरह अलग होने का वो उदाहरण था, उसके सभी रिश्तेदारो और इत्यादि से, ताकि परमेश्वर के लिए अलग जीवन को जीये।

6 वर्षो बीत गए, कुछ भी नहीं हुआ, फिर भी अब्राहम पकडे हुए था। वह निराश नहीं हुआ था। "वह अविश्वास में से होते हुए परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं पर कभी भी डगमगाया नहीं, लेकिन मजबूत हो गया था, और परमेश्वर को स्तुति दे रहा था।"

7 वर्षो–वर्ष, जैसे–जैसे यह बीतते गये, इसमें कोई संदेह नहीं कि बहुत से निंदको ने आकर और कहा, "अब्राहम, राष्ट्रों के पिता, अब तुम्हारी कितनी संतान हैं? " इससे वह डगमगाया नहीं। कोई बालक नहीं, और सारा जीवन के समय को बीता चुकी थी, जो बालक को जनने का होता है, निश्चित रूप से, रजोनिवृत्ति से परे, लेकिन फिर भी अब्राहम परमेश्वर पर बस उसी तरह से विश्वास करता था। उसने बालक के लिए तैयारी की, क्योंकि वह जानता था और पूरी तरह से यकीन हो गया था कि परमेश्वर ऐसी प्रतिज्ञा नहीं कर सकता कि वो समर्थन करने के लिए पर्याप्त नहीं था।

8 उसके बीज को भी ऐसा ही सोचना चाहिए। चाहे ये कितना ही अवास्तविक क्यों न दिखाई देता हो, स्वाभाविक मन को वह कितना ही अस्वाभाविक दिखाई देता हो, फिर भी परमेश्वर एक ऐसी प्रतिज्ञा को नहीं कर सकता जिसे वह संभालने के लिए इतना बड़ा नहीं है। हम आज भी वही बात का विश्वास करते हैं। अब्राहम का हर एक सच्चा बीज उसी बात पर विश्वास करता है। कोई फर्क नहीं पड़ता कैसी भी परिस्थितियाँ हों, हमने बहुत अधिक ज्ञान बटोर लिया हो, कितनी भी चीजें घटित हुई हो, स्वाभाविक मन के लिए यह कितना भी अस्वाभाविक हो, मेरा मतलब,

स्वाभाविक मन के लिए यह कितनी भी मूर्खता हो, इससे जरा भी फर्क नहीं पड़ता। यदि परमेश्वर ने ऐसा कहा, तो बात ख़त्म हो जाती है। और अब्राहम का बीज **यहोवा यों कहता है**, इस पर स्थिर होता है। इससे बात ख़त्म हो जाती है।

9 हम देखते है, पच्चीस वर्षो के बाद, कोई संतान नहीं है। और अब भी परमेश्वर अब्राहम से की गयी अपनी प्रतिज्ञा को पूरा करने के लिए विश्वासयोग्य था, क्योंकि अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया था। छोटा सा लड़का दृश्य पर आ गया, छोटा इसहाक।

10 जब छोटा इसहाक दृश्य पर आया, तब हम देखते हैं कि परमेश्वर ने उसको दोहरी परीक्षा दी। उसने कहा, "यह बालक... " अब लगभग एक सौ पंद्रह या बीस वर्ष का होने के बाद, अब्राहम था। उसने कहा, "मैं चाहता हूँ कि तू अपने इस एकलौते पुत्र को ले, और उसे उस पहाड़ पर ले जा, जो मैं तुझे दिखाऊँगा, और वहां पर उसको इस पहाड़ पर बलि करके चढ़ाना।" दूसरे शब्दों में, उस हर एक प्रमाण को मिटा डालो जो उसके पास था कि प्रतिज्ञा पूरी होगी। यह सारी स्वाभाविक चीजों को दूर कर रहा है।

11 और अब्राहम ने कहा, "मैंने उसे मरे हुओं में से उस एक के पाया है। और मुझे पूरा यकीन है, कि वह उसे मरे हुओं में से जिला उठाने में सामर्थी है।"

12 यही वह लोग हैं जो अब अब्राहम के बीज हैं, क्योंकि उसने हमें मरे हुओं में से जिलाया। हम पाप और अपराधों में मरे हुए थे। और वह जो मेरे मन को बदलने, मेरे विचारों को बदल सकने में सक्षम था, मेरे स्वभाव को बदलने, मुझे पूरी तरह से बदलने, वह कर सकता है जो उसे अच्छा लगता है। वह जो कुछ भी कहता है, मैं विश्वास करता हूं कि वह सत्य है, और अब्राहम का प्रत्येक बीज उसी बात पर विश्वास करता है।

13 अब्राहम ने, परमेश्वर के प्रति अवज्ञाकारी न रहते हुए, छोटे लड़के को ले लिया। और इस सुबह पर, दासो से कहा, "तुम यहाँ खच्चरों के साथ रुके रहो। और मैं और मेरा पुत्र वहां उस ओर आराधना करने के लिए जाएंगे, और वो और मैं लौट आएंगे।" ओह, वो इसे कैसे करने जा रहा है? जब वह अपने पुत्र के जीवन को लेने के लिये पहाड़ की चोटी पर चढ़ता है, फिर भी वो कहता है, "वो बालक, लड़का और मैं वापस लौट आएंगे।" वह जानता

था कि कुछ तो घटित होना था। और वो नहीं जानता था कि परमेश्वर इसे किस तरह से करने जा रहा है; यह उसका मसला नहीं है। वह जानता है कि परमेश्वर ने इसकी प्रतिज्ञा की थी।

14 यही वो सब हम केवल जानने की इच्छा रखते हैं, परमेश्वर ने इसकी प्रतिज्ञा की है! यह कैसे होने वाला है? मैं आपको नहीं बता सकता। लेकिन परमेश्वर ने ऐसा कहा है! वह दूसरी बार यीशु मसीह को भेजेगा, वो भौतिक रूप में आएगा। वह उसके अपनो को दावा करेगा। इस धरती पर एक हजार वर्ष, उसके साथ सहस्राब्दी का राज्य होगा, छुड़ाए हुए लोगों के साथ। यही है जो उसने प्रतिज्ञा की है, और हम उस घड़ी के आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

15 उसने बीमारों को चंगा करने, मुर्दों को जिलाने, दुष्टात्माओं को निकालने की प्रतिज्ञा की। उसने इसे करने की प्रतिज्ञा की। वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। कैसे? मैं नहीं जानता। उसने इसे करने की प्रतिज्ञा की! हम इसे विश्वास करते हैं; इससे बात खत्म हो जाती है। जब एक मनुष्य परमेश्वर पर विश्वास करता है, तो जो कुछ परमेश्वर कहता है वो विश्वास करता है।

16 और इसी तरह से अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया। अब हर प्रमाण को नष्ट करने के लिए कहा गया था कि उसकी प्रतिज्ञा का ध्यान रखा जाएगा, लेकिन उसे यकीन हो गया था कि परमेश्वर इसे कर सकता है।

17 अब, ना ही उसने केवल इस बड़ी प्रतिज्ञा को दिया, पर इसे अपने बीज के लिए भी देता है। और क्योंकि अब्राहम विश्वासयोग्य था, और उसने परमेश्वर के उस—उस वचन को रखा जो परमेश्वर ने उससे प्रतिज्ञा की थी, और जानता था कि परमेश्वर इस बालक को जिला सकता है। और उस ने अपने बालक को भी न छोड़ा; लेकिन (परमेश्वर) निश्चित रूप से, वो अपने ही पुत्र को देने वाला परमेश्वर का एक नमूना था; जब ऊपर पहाड़ पर लकड़ी और इत्यादि को उठा कर ले गया; जैसा कि मसीह ने बाद में अपने स्वयं के बलिदान के लट्ठे को उठा ले गया, पहाड़ी के ऊपर, जहां उसे क्रूस पर चढ़ाया गया था।

18 हम समझते हैं कि इसमें, ऐसा करने में, यह देखकर परमेश्वर बहुत प्रसन्न हुआ कि अब्राहम ने उसे धरती पर सब से अधिक प्रेम किया, यहाँ तक कि अपने एकलौते पुत्र से भी अधिक। जो कोई भी कह सकता है,

कोई भी जो कर सकता है उसने उससे भी अधिक प्रेम किया, वह अब भी परमेश्वर से इतना प्रेम करता था कि उसके वचन पर विश्वास करें।

19 सारे अब्राहम के बीज परमेश्वर पर इसी तरह विश्वास करते हैं। वे परमेश्वर पर विश्वास करते हैं। और हम जानते हैं कि इसने परमेश्वर को इतना अधिक प्रसन्न किया कि यहाँ है ये जो उसने कहा, "तेरा बीज उसके शत्रुओं के फाटकों का अधिकारी होगा। तेरा बीज उसके शत्रुओं के फाटकों का अधिकारी होगा।" याद रखें, यही **यहोवा यों कहता है** है। अब्राहम का बीज इसे विश्वास करता है। यदि आप अब्राहम के सच्चे बीज हैं, तो अब्राहम का परमेश्वर में जो विश्वास था, ये आप में है। और आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर ने जो कहा है, परमेश्वर अपने वचन को पूरा करता है।

20 और उस ने इसे कहा, अब याद रखना, कि उसने केवल अब्राहम से इस प्रतिज्ञा को किया, जब उस ने उसकी परीक्षा ली थी। अब्राहम के बीज को अवश्य ही पहले परखा जाना है, यह देखने के लिए कि क्या वे वास्तव में वचन पर विश्वास करते हैं। याद रखें, एक ही तरीका है कि वह परमेश्वर की प्रतिज्ञा को थामे रह सका, क्योंकि उसने परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर विश्वास किया, और उसकी परीक्षा हुई कि क्या वो उस पर विश्वास करता है या नहीं।

21 हमें उस परीक्षा में लाया गया है। आज अब्राहम का बीज, उस परीक्षा में लाया गया है। क्या हम परमेश्वर के वचन को लेंगे, या मनुष्य ने उसके बारे में जो कहा उसे लेंगे? क्या हम उस बात को लेंगे जिसे किसी संस्था ने एक मत–सिद्धांत के रूप में बनाया है, और उसे स्वीकार करेंगे, या क्या हम उस बात को लेंगे जो परमेश्वर ने कहा है? यदि परमेश्वर का वचन सत्य है, हम परमेश्वर के वचन पर विश्वास करे, भले ही कुछ भी और क्यों न हो। हम हर एक मनुष्य के शब्द को झूठा होने देंगे, और परमेश्वर का सच्चा होगा। अब्राहम का सच्चा बीज! लेकिन इससे पहले कि आप वह सच्चा बीज बन सकें, आपको परीक्षा से होकर जाना होगा, जैसे अब्राहम ने स्वयं से किया था। उसने न केवल अब्राहम से प्रतिज्ञा की, लेकिन उसका बीज शत्रुओं के फाटकों का अधिकारी होगा। ओह, प्रभु!

22 जरा सोचे, कुलपति को इसमें पूरी तरह से यकीन था, परमेश्वर के वचन के प्रतिज्ञा की उसकी परीक्षा, सही थी। भले ही चाहे परिस्थितियाँ जैसी भी क्यों न हों, वह फिर भी विश्वास करता था कि वचन सही था। वो

महान कुलपति, अब्राहम, जब उसे परीक्षा की उस घड़ी में लाया गया, तो वो कभी भी विश्वास में डगमगाया नहीं। उसने विश्वास किया कि परमेश्वर उसे मरे हुओं में से जिलाने में सक्षम था। उसने उस पर विश्वास किया, क्योंकि परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की थी। और जब परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की कि वह "राष्ट्र का पिता," होगा और उसने विश्वास किया कि ऐसा ही था। वह नहीं जानता था कि यह कैसा होगा। जब बालक जन्मा, उसके पच्चीस वर्ष के भरोसे के बाद, उसके बाद बालक को खत्म करने के लिए कहा गया, वह अब भी जानता था कि परमेश्वर की प्रतिज्ञा सच थी, और उसने अपने पुत्र को दे दिया।

23 उसका बीज, उसी बात को करता है! जो अब्राहम के बीज हैं, उनके लिये परमेश्वर की प्रतिज्ञा मोहर है। प्रतिज्ञा एक मोहर है, एक हस्ताक्षरित गवाह है। और जब हम प्रतिज्ञा किए गए हर एक वचन पर विश्वास करते हैं, तब हमें प्रतिज्ञा की पुष्टि करने के लिए मोहर दी जाती है। देखो, यदि हम—यदि हम, अब्राहम के बीज होने के नाते, हम परीक्षा से होकर जाते हैं कि क्या हम बाईबल पर विश्वास करेंगे, या नहीं। बाईबल परमेश्वर का वचन है, क्योंकि यह परमेश्वर है। और फिर आपके परीक्षा में से होकर जाने के बाद, कि विश्वास करें।

24 जब उनमें से कुछ लोग कहते हैं, "अद्भुत कार्य के दिन बीत चुके हैं," यदि आप इसे स्वीकार करते हैं, तो यह वचन के विपरीत है।

25 यदि आप कहते हैं, "आप आज पवित्र आत्मा को नहीं पाते हैं। ऐसी कोई चीज है ही नहीं। केवल बारह चेलो ने ही इसे पाया।"

26 वचन ने कहा, पतरस ने पेंटीकोस्ट के दिन इसका प्रचार किया, उसने कहा, "तुम में से हर एक जन पश्चाताप करें, और पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले, और तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम, और तुम्हारी सन्तानों, और उन सब दूर दूर के लोगों के लिये भी है, यहाँ तक जितनो को प्रभु हमारा परमेश्वर बुलाएगा।

27 इसका अर्थ बस बिल्कुल यही है। यही है, अब यदि आप परीक्षा को लेने के लिए तैयार हैं, जो परमेश्वर की तीव्र परीक्षा है, और उस निर्देश या विधि का पालन करते हैं, मैं आपसे कहता हूँ, यदि आप इस पर विश्वास करोगे, तो आप पाओगे कि परमेश्वर अपने वचन को पूरा करता है। यह

सही बात है। लेकिन आपको इसमें से होकर जाना होगा, क्योंकि यही मोहर है; जब आप इसे पा सकते हो, तब आप प्रतिज्ञा को प्राप्त करोगे। क्योंकि, यह परमेश्वर की विधि है, इस तरह से हमें इसे करना चाहिए, और इसी तरह से हमें इसका पालन करना है, जैसा उसने कहा था। अब ना ही केवल कुछ लोगों के लिए, लेकिन "जो कोई भी, " जो कोई भी विश्वास करता है, जो कोई भी पश्चाताप करता है, जो कोई भी विश्वास करता है। यह सभी पीढ़ियों के लिए है, सभी लोगों के लिए है, जो कोई भी इस पर विश्वास करना चाहता है। और परमेश्वर के वचन में विश्वास आपको इस प्रतिज्ञा तक ले आता है। तभी, और केवल तभी, आपके पास प्रतिज्ञा की मोहर को धारण करने की सामर्थ हो सकती है।

28 और जो प्रतिज्ञा हम पाते हैं, वो मोहर, ये पवित्र आत्मा का बपतिस्मा है। यह सही बात है। क्योंकि यह परमेश्वर आत्मा के रूप में है, आप में उसका वचन है, फिर वह अंदर आता है। यदि आप अपने अंदर वचन को ग्रहण करते हैं, तो पवित्र आत्मा ही केवल ऐसी चीज है जो उसे जीवित कर सकता है, और फिर आपके पास हर उस शत्रु के फाटक पर अधिकार करने की प्रतिज्ञा है जो आप पर हमला करने की कोशिश करता है। यह सही बात है। परमेश्वर ने इसकी प्रतिज्ञा की थी, और ऐसा ही है।

29 अब, याद रखें, आप इसे तब कर सकते हैं, और केवल तभी, वचन के द्वारा परखे जाने के बाद ही।

30 अब्राहम को वचन के द्वारा परखा गया था। "क्या तुम विश्वास करोगे, अब्राहम, कि तुम्हारे पास पुत्र होगा? "

"हां।"

31 पुत्र आ गया। "अब उसे ख़त्म कर दो। क्या तुम अब भी इस पर विश्वास करते हो, अब्राहम? "

32 "मैं अब भी इस पर विश्वास करता हूँ, क्योंकि आप उसे मरे हुओं में से जिलाने में सक्षम हैं।"

33 और उसके बाद, उसने कहा, "अब तेरा बीज अपने शत्रुओं के फाटकों का अधिकारी होगा।" आमीन! परीक्षा के आने के बाद!

34 आइए स्वाभाविक बीज में अब्राहम के कुछ बीजों की जांच करें। जो, हम आज आत्मिक बीज हैं। लेकिन आइये पता लगायें, स्वाभाविक बीज

से, उन में से कुछ जो परमेश्वर की पूरी प्रतिज्ञा पर विश्वास करते थे, और ना ही कभी कु–... [टेप पर खाली जगह—सम्पा।]

35 मैंने कहा, "वैसे, एक मसीही लड़की अपने स्कर्ट के नीचले भाग से क्या दिखाना चाहती है? मैं यह नहीं समझ सकता।"

36 आपने परमेश्वर से फिर से जन्म लिया हैं, आपके पास पवित्र आत्मा की सुंदरता है यह दिखाने के लिए कि आप जो हैं, आप हैं। आपके पास वह गुण है जो इन शर्मनाक स्कर्टों में नहीं है। यह सही बात है। परमेश्वर की एक सच्ची महिला, जो गुण के साथ खड़ी होती है, आप उस पर हँस सकते हैं, और पुराने फैशन की कहलाती हैं; लेकिन आपके पास कुछ ऐसा है जिसे वे छू नहीं सकते, और इसे खो दिया है और इसे फिर कभी नहीं पा सकते हैं। यह सही बात है। आपके पास सद्गुण है। यही है जिसके लिए परमेश्वर देखता है, वो सद्गुण है। देखा?

37 लेकिन पहली बात, यदि आपके मन में कोई संदेह है, तो आप इसे बिल्कुल न करें। यदि आपके मन में कोई संदेह है तो आप किसी प्रार्थना पंक्ति में नहीं आये। आप न आएं जब तक आप पूरी तरह से विश्वास न करें, दृढ़ता से, आपके दिमाग में बिल्कुल भी एक भी उतार–चढाव नहीं है, लेकिन आप चंगे होने जा रहे हैं, तो आप इस मंच पर से एक चंगे व्यक्ति के रूप में जा सकते हैं। यह सही है, जब आपके मन में कोई संदेह ही नहीं होता है। आपको परमेश्वर पर विश्वास करना ही है, बनावटी विश्वास नहीं। सच में विश्वास करें!

38 और अब्राहम का बीज इस पर विश्वास करता है क्योंकि वचन ऐसा कहता है, और यही कारण है कि हम इस पर विश्वास करते हैं। ना ही इसलिए कि किसी ने निंदा की है, क्योंकि किसी और ने ऐसा कहा है। क्योंकि परमेश्वर ने ऐसा कहा, जो इसे सत्य बनाता है। जब परमेश्वर यह कहता है, तो इससे सारे प्रश्न सुलझ जाते हैं। वो अंतिम शब्द है। वो अंतिम है। जब परमेश्वर कुछ कहता है, तो बात उससे ख़त्म हो जाती है। इसके विरोध में और कुछ नहीं बोल सकते। "हर एक मनुष्य की बात झूठी ठहरे, और मेरी सच्ची।"

39 अब जब हम इनमें से कुछ बीजों की जाँच करते हैं, आइए सोचते हैं। हम इब्रानी बच्चों के बारे में सोचते हैं, मेरे पास यहाँ है, उसके बारे में सोचते हुए, इब्रानी बच्चों के बारे में, मूर्ति पूजा के विरुद्ध उनकी परीक्षा होने के बाद।

अब, आपको याद होगा, राजा ने कहा, "जो कोई भी इस मूरत के आगे नहीं झुकेगा, वह आग के भट्टी में डाल दिया जाएगा।" अब, इन बच्चों ने विश्वास किया कि परमेश्वर का वचन सही है, कि उन्हें किसी भी प्रकार की मूर्ति की आराधना नहीं करनी चाहिए, लेकिन जब वे निर्णायक मुठभेड़ में आए और उनकी परीक्षा ली गयी कि क्या वे करेंगे।

40 जब, वहां पर बाकी के सारे बालकों ने इसे ग्रहण किया और आराधना करने चले गए, वे ठीक राजा के कहने के अनुसार ही चले। वे उस दिन के लोकप्रिय विचार के साथ गए, कि उन्हें अवश्य ही ऐसा करना चाहिए।

41 और जब उनकी परीक्षा हुई, कि क्या वे मूरतों की आराधना करेंगे या नहीं, और परमेश्वर के वचन को तोड़ेंगे, वे वचन के प्रति सच्चे बने रहे। परिस्थितियों के बावजूद, वे वचन के प्रति सच्चे बने रहे। और जब उन्होंने उन्हें आग के भट्टी में डाल दिया, तब परमेश्वर की प्रतिज्ञा पूरी हुई थी। उन्होंने उनके शत्रु के फाटकों पर अधिकार किया था। और वहां पर एक चौथा मनुष्य खड़ा था, जिसके पास चाबी थी, जिसने आग में गर्मी को खोल दिया, और यह उनका कुछ भी नहीं कर सकी लेकिन उन्हें आज़ाद कर दिया। आमीन।

42 जब एक पुरुष या एक महिला परीक्षा देने के लिए तैयार होता है, उस तीव्र परीक्षा को!

43 आप देखना, उन्हें आग में जाना था। और फिर जब उन्होंने किया, वे आग में थे, और केवल एक बात जिसने जगह को लिया, इस अग्नि परीक्षा ने केवल खोल दिया, उनकी वो—वो हाथों की पट्टियां छूट गईं।

44 बहुत सी बार, परमेश्वर हमें जाने देता है, जब हम पूरा दुनिया से बंधे होते हैं, बंधे होते हैं, तो वह अग्निपरीक्षाओं को हम पर आने देता है, जहां पर हमें निर्णय को लेना होता है। और जब हम ऐसा करते हैं, केवल एक चीज जो परीक्षा कर सकती है, जब अब्राहीम का एक सच्चा बीज उस—उस निर्णय के चौराहे पर, और वह परमेश्वर की सेवा करने का अपना निर्णय लेता है, यह केवल बंधनों को ढीला कर सकता है और हमें आजाद कर सकता है। शैतान आपको कोई रोग दे सकता है। वह आपको एक चीज, दूसरी चीज दे सकता है। आप कैसे जानते हैं कि यह परमेश्वर नहीं है जो आपको चौराहे पर मिला है, यह देखने के लिए कि आप किस तरह के एक—एक—एक निर्णय को करेंगे?

45 उन्होंने आग के फाटक पर अधिकार किया था। आग उन्हें जला न सकी। उनमें से यहाँ तक आग की गंध तक नहीं आ रही थी, क्योंकि वे जानते थे कि वे अब्राहम के बीज थे, और वे परमेश्वर और उसके वचन के लिए खड़े थे। उन्होंने उस—उस शत्रु के फाटक पर अधिकार किया था, और आग उन्हें जला न सकी, क्योंकि उन्होंने फाटकों पर अधिकार किया था।

46 बाद में, वहां पर नीचे दानिय्येल नाम का एक भविष्यव्यक्ता था। उसकी... परीक्षा हुई थी कि वह एक सच्चे परमेश्वर की सेवा करेगा, या नहीं। और जब उस समय की बात आई, कि क्या वह एक सच्चे परमेश्वर की सेवा करेगा, या किसी अन्यजाति देवता की उपासना करेगा, उसने ऐसा करने से इनकार किया; और उस बात से अनदेखा करके, और वो प्रतिदिन अपने परमेश्वर से प्रार्थना करता था। और वह उसके द्वारा उठाया गया, संघीय नियमो के एक दंड के द्वारा, और एक शेरों की मांद में फेंक दिया गया था। शेरों का एक भूखा झुंड उसके ऊपर दहाड़ने लगा। उसने क्या किया? उसने अपने शत्रु के फाटक पर अधिकार किया। शेर उसे खा नहीं सके। परमेश्वर ने एक आग के खंभे को नीचे भेजा, एक दूत जो उसके और शेर के बीच खड़ा था।

47 उसने शत्रु के फाटक पर अधिकार किया था, क्योंकि उसकी परीक्षा की गयी थी यह देखने के लिए कि क्या वह एक सच्चे परमेश्वर की आराधना करेगा, या उसके पास एक दर्जन मूर्तिपूजक देवता होंगे जिनकी वह आराधना करता है। इस प्रकार वह परीक्षा में खड़ा रहा, और उसने शत्रु के फाटक पर अधिकार किया। शेर उसे छू भी नहीं सकता था, क्योंकि परमेश्वर उसके साथ था। परमेश्वर की प्रतिज्ञा सच बनी रही, क्योंकि वह अब्राहम का सच्चा बीज था।

48 मूसा, ओह, एक और महान। वह भी परखा गया था, ताकि उस प्रतिज्ञा को देखे जो परमेश्वर ने उससे की थी। "जब तुम वहाँ जाओगे तो मैं तुम्हारे साथ रहूँगा।" और जब वह उसके दान की नकल करनेवालों के साम्हने खड़ा हुआ, यन्नेस और जैम्ब्रेस ने खड़े होकर और नकल करने की कोशिश की उसी चीज की जिसे मूसा को करने की आज्ञा दी थी। और परमेश्वर ने उसे बुलाया था, और वह जानता था कि वो वही था जिसे ऐसा करने के लिये आदेश दिया गया था, और वह वहां खड़ा हुआ और अद्भुत कार्य

को किया जैसा परमेश्वर ने उसे करने को बताया था। और यहाँ पर नकल करने वाले खड़े थे, उसी चीज को करने के लिए, लेकिन इससे मूसा परेशान नहीं हुआ। वह परमेश्वर के वचन पर सच्चा खड़ा रहा, और उसने फाटकों पर अधिकार किया, आमीन, शत्रु के, क्योंकि वह परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर सच्चा खड़ा रहा, भले ही चाहे कोई भी उसकी नक़ल करने का प्रयास कर रहा हो।

49 यह हर एक मसीही के लिए क्या ही सबक है! जब आप यहां–वहां देखते हैं और एक ढोंगी को देखते हैं, आपको तब याद आता है कि वह एक वास्तविक चीज की नकल करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन, इसका मतलब सिर्फ इतना है कि कोई है जो वास्तविक है। परमेश्वर के वचन के प्रति सच्चे बने रहे! भले ही चाहे जो आए या जाए, उसके वचन का पालन करें। जी हाँ, दानिय्येल परमेश्वर के वचन के प्रति सच्चा बना रहा।

50 इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितने लोगों ने उसकी नकल करने की कोशिश की, और बाकी की सारी चीजे, वह सच्चा बना रहा। और वो एक उद्देश्य के लिए आया, ताकि इस्राएल को मिस्र से बाहर निकाले, और उन्हें प्रतिज्ञा किए गए देश में ले जाने के लिए। और जब उनके मिस्र से निकलकर प्रतिज्ञा किए हुए देश में जाने का समय आया, तो मार्ग में मृत सागर सामने था। और उसने जल के फाटकों पर अधिकार किया, और फाटक हवा में उछलकर खुल गए। और वो—वो पानी पीछे हट गया, और मूसा इस्राएल को जंगल में ले गया, उस पहाड़ पर जहाँ परमेश्वर ने उन्हें लाने के लिए उसे आज्ञा दी थी। आमीन। उसने शत्रु के फाटकों पर अधिकार किया।

51 उसका पिता, अब्राहम, उसके पास वह प्रतिज्ञा थी, कि उसका सच्चा बीज शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा। और जल के फाटक बंद थे, और वो उसमें से होकर नहीं जा सका, और यह कर्तव्य का मार्ग था। उसे उन बालकों को उस पहाड़ पर लाना था। परमेश्वर ने उसे बताया था। और वह फाटक उसके मार्ग में खड़ा हुआ था, और वह शत्रु के फाटक का अधिकारी हुआ।

52 यहोशू, कुछ समय बाद, जब वे कादेशबर्ने में आए, जो उस समय जगत का न्याय का आसन था, वहीं पर इस्राएल ने उसके न्याय को पाया। हम कालेब के साथ यहोशू और बारह अन्य लोगों को पाते हैं... या—या मतलब

दस अन्य लोगों को। प्रत्येक गोत्र में से एक को उस देश की जासूसी करने के लिए भेजा गया था जिसे वे लेने के लिए तैयार थे।

53 और जब उन्होंने उन बड़े–बड़े दानवों को वहाँ खड़े हुए देखा, उनमें से दस को बहुत बुरा लगा, उन्होंने कहा, "हम इसे नहीं ले सकते। यह बहुत बढ़िया है। क्योंकि, उसे देखो जो हमारे सामने विरोधी है।" लेकिन जब वे रिपोर्ट को लेकर वापस आए, तो वे एक बुरी रिपोर्ट को लाए।

54 वे बुरी रिपोर्ट को क्यों लाएंगे, यदि परमेश्वर ने उन को बताया, "मैंने तुम्हें वह देश दिया है; यह तुम्हारा है"? उसने उन्हें वहां मिस्र में बताया, "मैंने तुम्हें यह देश दे दिया है, यह एक अच्छा देश है, इसमें दूध और मधु की धारायें बहती हैं।"

55 लेकिन जब उन्होंने विरोधी को इतना बड़ा देखा, तो उन में से दस वापस लौटकर आये और कहा, "हम इसे नहीं कर सकते।"

56 यह यहोशू था, उस ने लोगों को चुप कराया, और कहा, "हम इस पर अधिकार करने में सक्षम हैं। हम सक्षम से बढ़कर हैं!" इसलिए क्यों? वो प्रतिज्ञा को देख रहा था। वो अब्राहम का सच्चा बीज था। चाहे विरोधी जो भी था, "हम फाटक पर अधिकार कर सकते हैं, क्योंकि परमेश्वर ने देश की प्रतिज्ञा की है।" और उसने फाटक पर अधिकार किया था।

57 बाद में, जब वह इस्राएल के बच्चों को नदी के पास ले आया। वहां खड़े हुए, अप्रैल के महीने में, वो बड़ी नदी, उफान पर खड़ी थी। यरदन पर्वतों में से नीचे की ओर बह रही थी, और मैदानों में फैल गयी थी। ऐसा लग रहा था कि ये वर्ष में का सबसे खराब समय है, कि वह वहां हो सकता है। लेकिन, फिर भी, वह अब्राहम का बीज था। वह जानता था कि उसके पास एक प्रतिज्ञा थी, और वह कर्तव्य की पंक्ति में था। परमेश्वर ने उसे एक दर्शन दिया, इसे कैसे करना है, और उसने नदी के फाटकों पर अधिकार किया। जब फाटक खुल गये, तो पानी वापस पहाड़ों की ओर ऊपर चला गया। और यहोशू और इस्राएल ने शत्रुओं के फाटकों पर अधिकार पा लिया, और पार करके प्रतिज्ञा देश में गये, क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें ऐसा करने के लिए बताया था। अब्राहम का सच्चा बीज!

58 भाइयों और बहनों, जब वो वहां पर पहुंचा, येरियों पूरी तरह से दीवारों से घिरा हुआ था, इतना ऊँचा कि वे उसके ऊपर से तीन रथ चला सकते थे। ये इस्त्राएली कैसे कर सकते थे और तलवारें और सब कुछ लिए हुये,

और लाठियां और पत्थर लेकर, वे वहां किस तरह अंदर जा रहे थे? लेकिन वह अब भी अब्राहम का बीज था। परमेश्वर उसे एक दर्शन दिया, उसे बताया कि इसे कैसे करना है, कहा, "तुरही को बजाओ।" आमीन। बस इतना ही। "चिल्लाओ, दीवार की ओर आगे बढ़ो, फाटक तुम्हारे सामने गिर जाएंगे।" आमीन! वह अब्राहम का शाही बीज था। वह परमेश्वर का सच्चा विश्वासी था। "फाटक तुम्हारे सामने गिर जाएंगे। बस एक जयजयकार करो, और तुरही को बजाओ। तुम्हें बस इतना ही करना है।" और क्या हुआ? फाटक गिर पड़े, और यहोशू ने नगर पर अधिकार कर लिया।

59 थोड़ी देर बाद, हम देखते है कि शत्रु कोलाहल मचा रहे थे और करते ही जा रहे थे, उसके बाद, और यहाँ तक उसने सूर्य को भी उसके मार्ग में रोक दिया। जैसा कि मैंने एक सुबह *विरोधाभास* पर बताया था, उसने सूर्य को तब तक रोके रखा जब तक कि उसने अपने शत्रु के फाटकों पर अधिकार नहीं कर लिया। आमीन। वह जानता था कि यदि वह शत्रु फिर से कभी एकत्र हो गये, तो वे फ़ैल गए थे, और सूर्य डूबता जा रहा था, और एमोरियों, अमालेकियों, और इत्यादि, तित्तर बित्तर हो गए थे। यदि वे कभी फिर से एकत्र होकर, और एक साथ आते हैं, तो उन्हें फिर से पराजित करने में उनके लिए कठिन समय होगा। और वहां एक ही बात थी जो थम गयी थी, वो था समय। और उसने समय को रोक दिया। आमीन! आमीन! वहां एक चीज उसे प्रतिज्ञा से दूर रखे हुए थी, वह था सूरज, प्रकृति खुद आड़े आ रही थी, और उसने प्रकृति को रोक दिया। क्यों? वह अब्राहम का बीज था। वह परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर विश्वास करता था। उसने उसे रोक दिया, और फाटकों पर अधिकार कर लिया। जी हां, श्रीमान।

60 ये महान पुरुष, ये सारे पुरुष महान हैं। लेकिन आप जानते हैं कि जब वे, उनमें से हर एक जन, जब वे मृत्यु के फाटक पर आए, तो वे सब मर गए। उनमें से प्रत्येक को मरना था। क्योंकि वे महान व्यक्ति थे, "उन्होंने उन—उन सिंहों के मुंह को बंद किया, और आग से और तलवार की धार से बच निकले," और इत्यादि, जैसा कि हमें इब्रानियों 11 में बताया गया है। और उन्होंने शत्रु के फाटकों पर अधिकार किया, सारे लेकिन एक ही शत्रु को छोड़, और वह थी मृत्यु। मृत्यु ने उनमें से हर एक को निगल लिया।

61 फिर एक दिन, अब्राहम का शाही बीज, यीशु मसीह, परमेश्वर का पुत्र

वहां पर आया; अब्राहम का बीज, विश्वास के द्वारा। ना ही स्वाभाविक बीज, इसहाक के द्वारा नहीं; उन्होंने अपने काम को किया। लेकिन यहाँ पर एक आया जो स्वाभाविक रूप से नहीं जन्मा था। यहाँ वह आता है जो कामवासना के द्वारा कभी भी नहीं आया। यहाँ वो एक कुंवारी के द्वारा जन्म से आया। परमेश्वर का पुत्र, अब्राहम का बीज, यह क्या ही एक महान मनुष्य था! दूसरे स्वाभाविक जन सभी स्वाभाविक जन्मे थे। इस पुरुष का एक कुंवारी से जन्म हुआ था। जब वह धरती पर आया तो उसने क्या किया? उसने शैतान के हर शत्रु पर विजय को पाया था। उसने हर एक चीज को जीत लिया।

62 उसने क्या किया? उसने कर दिखाया और उसने बीमारी पर जय को पाया। उसके आसपास कोई भी बीमारी नहीं हो सकती थी; जहाँ कहीं भी बीमारी थी, उसने उस पर विजय को पाया। उस पर विजय पाने के बाद उसने क्या किया? वह हमें चाबियों को देता है, आमीन, यह कहते हुए, "जो कुछ तुम धरती पर बाँधोगे, मैं उसे स्वर्ग में बाँधूँगा।" ओह! आमीन! वह अब्राहम का शाही बीज है, उसकी प्रतिज्ञा। पवित्र आत्मा अब हम में है, चाबियों के साथ, इसे बीमारी के अंदर डाले हुए है। उसने बीमारी पर जय को पाया। बीमारी उसके सामने टिक नहीं सकती। और उसने कहा कि उसने हमें उसी काम करने के लिए चाबियाँ दी है, बीमारी पर जय पाने के लिए। "जो कुछ तुम धरती पर बाँधोगे, मैं स्वर्ग में बाँधूँगा।"

63 इसके अलावा, लुभाव, वह हमारी तरह ही हर तरह से लुभाया गया था। उसने क्या किया? उसने इस पर जय को पाया। और उसने हमसे क्या कहा? "शैतान का सामना करो, तो वह तुम्हारे पास से भाग निकलेगा।" उसने हमारे लिए बीमारी पर विजय को पाया। उसने हमारे लिए लुभाव पर जय को पाया, फाटकों को तोड़ दिया; और लुभाव देनेवाले से चाबी को लेकर, और उस विश्वासी को, जो अब्राहम का बीज है, उसे सौंप दिया, और कहा, "यदि वह तुम्हें लुभाता है, तो उसका सामना करो, और वह तुम्हारे पास से भाग निकलेगा।" ओह, प्रभु! उसका सामना करो!

64 उसने मृत्यु और नरक दोनों पर जय को पाया। वह तीसरे दिन यह कहते हुए जी उठा, "मैंने जय को पाया है। और क्योंकि मैं जीवित हूं, तुम भी जीवित हो।" ओह, क्या ही प्रतिज्ञा है! यही अब्राहम के बीज के लिए है। उसने कब्र पर जय को पाया, तीसरे दिन जी उठा, हमारे धर्मी ठहराने

के लिए। जब वह जी उठा, वह हमारा धर्मी ठहराने वाला था। यह हमें क्या बनाता है? उसने बीमारी पर जय को पाया। उसने मृत्यु पर जय को पाया। उसने नरक पर जय को पाया। उसने कब्र पर जय को पाया। उसने लुभाव पर जय को पाया। ओह!

65 "अब हम उसके द्वारा जिस ने हम से प्रेम किया, जयवंत से भी बढ़कर हैं, और उसके लिये अपने प्राण को देते हैं," यही अब्राहम का शाही बीज होना है। हम में उसी परमेश्वर की आत्मा के साथ, जो उसमें थी, हम जयवंत से भी बढ़कर हैं। हमारे लिए हर एक फाटक को जीत लिया गया है। केवल एक चीज जो हमें करनी है वह है इस पर अधिकार करना है। इसे पहले ही जीता जा चुका है। बीमारी पर विजय पायी गयी है। मृत्यु पर विजय पायी गयी है। अधोलोक पर विजय पायी गयी है। कब्र पर विजय पायी गयी है। हर एक चीज को जीत लिया गया है, और हम उसके अनुग्रह से चाबियों को थामे हुए हैं। क्या आप उन्हें ताले में डालने से डरते हैं और कहने से, "मैं यीशु मसीह के नाम में आता हूं"? "मेरे नाम में पिता से कुछ भी मांगो।" मैं उससे प्रेम करता हूं।

66 दो हजार वर्ष बीतने के बाद, दो हजार वर्ष, और अभी भी यहाँ वो हमारे बीच में है, सामर्थी जय पाने वाला जिसने दो भागों में परदे को फाड़ दिया, जिसने हर एक बीमारी, हर एक पीड़ा, हर एक चीज को अपने ऊपर ले लिया, और हमारी दुर्बलताओं को क्रूस पर सह लिया, और हमारी बीमारी और हमारे रोग, और उन पर विजय को पा लिया, और हमारे धर्मिकरण के लिए जी उठा, और दो हज़ार वर्षो के बाद जीवित खड़ा है, स्वयं को एक जीवित यीशु मसीह के रूप में प्रकट करने के लिए, अब्राहम के शाही बीज के बीच, जो सारी चीजों के उत्तराधिकारी हैं। ओह, प्रभु! वे जो बाद में परीक्षा में से होकर जाते हैं, वचन की प्रतिज्ञा! यदि आप वचन पर विश्वास कर सकते हैं, तब आप भी अब्राहम के बीज हैं। इसी तरह से आप इसमें आते हैं।

67 यदि आप उस वचन की परीक्षा को नहीं ले सकते हैं, यदि आप इस पर संदेह करते हैं, जरा सा भी संदेहजनक हैं, तो आप शायद इस पर विश्वास नहीं कर सकेंगे, वहां कुछ तो है, या कुछ और, आप इसे विश्वास नहीं कर सकते, तो आप प्रार्थना पंक्ति में न आएं। मैं यहाँ वेदी के आसपास खिलवाड़

भी नहीं करूंगा, जब तक कि आपको यह जानने के लिए पर्याप्त अनुग्रह न मिल जाए कि परमेश्वर का वचन सत्य है।

68 और जब आप एक बार अविश्वास के उस परदे को फाड़ देते हैं, तब आपके हाथों में मृत्यु, अधोलोक और कब्र की चाबियाँ होती है, क्योंकि आपके पास एक जय पाने वाला होता है जिसने आपके लिए जय को पाया है। तब आपके पास इब्रानियों 13:8 होता है, जो हमें बताता है, "यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" हम यह कैसे कर सकते हैं?

69 लोग आज कहते हैं, "ओह, अच्छी बात है, मैं आपको बताता हूँ, वो एक—एक विशेष तरह से है, वह है।"

"वह एक सा है," बाईबल ने कहा।

"ओह, ठीक है, वह आज वैसा नहीं करता जैसा उसने किया था।"

70 हम इसे ठीक अभी पाते हैं, जब हम उसके वचन को प्रमाणित होते हुए देखते हैं। ये क्या करता है? यह इसे फिर से उनके गोद में वापस डाल देता है। आमीन।

71 अब्राहम का सच्चा बीज इसे विश्वास करता है। वे इसे जानते हैं। और वह आज रात खड़ा है, जैसे उसने लूत के दिनों में वहां पर अब्राहम से भेंट की और उस अद्भुत कार्य को किया, जैसा कि उसने सारा को बताकर किया कि उसने उसके पीछे क्या कहा। यीशु ने प्रतिज्ञा की, अब्राहम का शाही बीज, कि कलीसिया उसके आगमन से ठीक पहले उसी चीज़ को देखेगी। यह क्या है? इसे होना ही है। परमेश्वर ने इसकी प्रतिज्ञा की। यीशु मसीह ने इसकी पुष्टि की और कहा कि ऐसा ही होगा, और आज हम यहां पर हैं, दो हजार वर्ष के बाद, उसे हमारे बीच में देखते है, अब भी सामर्थी जय पाने वाला! उसने मृत्यु, अधोलोक, कब्र, सारे अंधविश्वासों पर जय को पाया; वचन को लिया... ? ... उसकी। जी हाँ।

72 उसने कहा, "यदि तुम मुझ में और मेरे वचन तुम में बने रहे, तो जो चाहो मांगो और वह तुम्हें दिया जाएगा।" ये क्या था? वचन, मसीह, यही आपके हृदय में है। "यदि तुम मुझ में बने रहो, मेरे वचन तुम में बने रहे, तो तुमने सब कुछ जीत लिया है क्योंकि मैंने तुम्हारे लिए इस पर जय को पा लिया है। यदि तुम मुझ में बने रहो, यदि तुम मुझे समझ सकते हो, यदि तुम मुझमें बने रह सकते हो। वह जो मुझ पर विश्वास करता है, जो मुझे

ग्रहण करता है; ना ही बनावटी विश्वास, लेकिन ग्रहण कर सकता हैं। वो जो मेरे वचनों को सुनता है, मेरे वचनों को समझता है, और मेरे भेजनेवाले पर विश्वास करता है, उसके पास अनन्त जीवन है; और वो परीक्षा में नहीं आएगा, या दोषी नहीं ठहरेगा, लेकिन मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चूका है।" वहाँ है वो, वो सामर्थी जय पाने वाला!

73 यहाँ पर वह आज, कल, आज, और युगानुयुग एक सा है। यहाँ वह अब्राहीम के बीज के सामने प्रदर्शन कर रहा है, जिसे बाबुल से बुलाया गया है, सदोम से बाहर बुलाया गया, संसार से बाहर बुलाया गया, और अलग किया गया, बिल्कुल इसमें से होते हुए अपनी प्रतिज्ञा को दिखाते हुए। दो हजार वर्षों के बाद, वह आज रात हमारे बीच में खड़ा है, वह सामर्थी जय पाने वाला, परमेश्वर का वचन जो उन ह्रदय में के विचारों को, और उसके इरादों को परख सकता है। यह क्या है? "तेरा बीज उसके शत्रुओं के फाटकों का अधिकारी होगा।" यह क्या है? यह अब्राहम का बीज है, शाही बीज, जो वचन पर विश्वास करता है। और वो—वो वचन परमेश्वर है।

74 अब जब हम इसे देखते हैं, तो हम पुराने समय के कवि की तरह उनके साथ चिल्ला सकते हैं:

> जीते जी उसने मुझसे प्रेम किया; मरते हुए उसने मुझे बचा लिया;
> गाड़ा गया, वह मेरे पापों को दूर ले गया;
> जी उठ कर, उसने मुझे हमेशा के लिए धर्मी करके आजाद कर दिया;
> किसी दिन वह आ रहा है—ओह, वो महिमामय दिन!

75 किसी ने कहा, "तुम बूढ़े हो रहे हो, लड़के।" मैं उसके लिए कुछ नहीं कर सकता।

76 मैं तब से जीया हूँ जब मैं छोटा लड़का था, मेरा एकमात्र सफल प्रयत्न जो मेरे पास कभी रहा है वह है यीशु मसीह के आगमन को देखना। मैंने उस उद्देश्य के लिए अपना जीवन दे दिया। मैं अब भी पुलपिट में हूँ, एक बूढ़े मनुष्य के नाई, मैं उसी कहानी पर विश्वास करता हूँ, और सबसे बड़ी बात जो मैं सोच सकता हूँ वह है कि यीशु मसीह को स्वर्ग से आते हुए देखूं

उसके अपनो को ग्रहण करने के लिए। परमेश्वर, फिर मेरा... कोई आश्चर्य नहीं कि हम गा सकते हैं:

यीशु के नाम की सामर्थ की सारी जय हो!
वे दूत गिरकर दंडवत करें;
शाही ताज को सामने लाओ,
और मुकुट पहनाओ उसे जो सबका प्रभु है।

77 क्यों? वह सामर्थी जय पाने वाला है। यदि आप उसमें हैं, तो आप वचन में हैं। उसने कहा, "यदि तुम मुझ में बने रहो, तो जो चाहो मांगो।" "तुम जो चाहो," क्योंकि हर एक फाटक को जीत लिया गया है। तब हम कह सकते हैं:

क्योंकि किताब की हर एक प्रतिज्ञा मेरी है,
हर एक अध्याय, हर एक पद और पंक्ति।
मैं उसके दिव्य वचन पर भरोसा कर रहा हूं,
क्योंकि हर एक प्रतिज्ञा जो किताब में है मेरी है,

78 दोस्तों, क्या आप समझते हैं इसका क्या मतलब होता है? हर एक प्रतिज्ञा जो परमेश्वर ने अब्राहम से की, हर एक प्रतिज्ञा जो भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा बोली गई थी, हर एक प्रतिज्ञा जो यीशु मसीह ने इस दिन के लिए की है, वह उसकी पुष्टि करने और यह दिखाने के लिए यहाँ पर है कि वह हमेशा के लिए जीवित है। "तेरा बीज शत्रुओं के फाटक का अधिकारी होगा।"

79 जब ये मृत्यु की घड़ी आती है। आप कहते है, "उस बारे में क्या?" आपके पास अब भी वह अधिकार है जो पौलुस ने कहा था। "हे कब्र, तेरी विजय कहां है? हे मृत्यु, तेरा डंक कहाँ है? लेकिन परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो उस सामर्थी जय पाने वाले, यीशु मसीह के द्वारा हमें जय को देता है।" ओह!

वे दूत गिरकर दंडवत करें;
शाही ताज को सामने लाओ,
और उसे ताज पहनाओ जो सबका प्रभु है।

80 आज रात, दो हज़ार वर्षों के बाद, हम उसे देखने के लिए खड़े हैं, फिर भी, सामर्थी जय पाने वाला जिसने उस परदे को फाड़ दिया जो हमें परमेश्वर के किसी भी प्रतिज्ञा से अलग करता है, और हम उसमें जयवंत से बढ़कर हैं। आइए हम प्रार्थना करे।

81 स्वर्गीय पिता, जैसा कि हम आज रात यहाँ खड़े हैं, पवित्र आत्मा की उपस्थिति में, आत्मा के रूप में यीशु मसीह का वह महान व्यक्ति, जिसे अब्राहम के बीज, शाही वंश पर आने की प्रतिज्ञा की गयी थी, हम प्रार्थना करते हैं, हे परमेश्वर, यदि यहाँ कोई पुरुष या महिला, लड़का या लड़की है, जो आपको नहीं जानता है, परमेश्वर के वचन के बारे में उनके मन में संदेह और व्याकुलता थी कि क्या यह सत्य है या नहीं, हे महान परमेश्वर, जिसने प्रतिज्ञा की थी, आज रात आये! एक बड़ी प्रतिज्ञा है जो आपने की है, प्रभु, आप उस प्रतिज्ञा को पूरा कर सकते हैं, आपने कहा, "जो मुझ पर विश्वास रखता है, ये काम जो मैं करता हूं वह भी करेगा; वह इससे भी बढ़कर काम करेगा, क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूं।" पिता परमेश्वर, हम प्रार्थना करते हैं कि आप अपने वचन की पुष्टि करेंगे।

82 आज रात्रि यहां अब्राहम की बहुत सी संतानें हैं, जो बीमार हैं। ओह, शैतान ने उन्हें फाटक में डाल रखा है; उन्होंने उन्हें अंदर रख दिया है, और उन्होंने चाबियों को घुमा दिया हैं, और कहा, "अब तुम्हें मरना ही होगा; तुम्हें हृदय की परेशानी है। तुम्हे *यह, वह,* या *इत्यादि* हुआ है, और तुम्हें मरना ही होगा।"

83 हे परमेश्वर, होने पाए आज रात्रि सुसमाचार की जुबली की तुरही बजे, कि प्रत्येक दास आजाद हो सके! यीशु मसीह ने उन फाटकों पर जय को पाया है। हम अपने हाथों में चाबियां को थामे रखा हैं। ओह! "मेरे नाम से वे दुष्टात्माओं को निकालेंगे। यदि तुम मेरे नाम में पिता से कुछ मांगोगे, मैं उसे करूंगा। जो मुझ पर विश्वास रखता है, ये काम जो मैं करता हूं वह भी करेगा। परमेश्वर का वचन दोधारी तलवार से अधिक तेज और शक्तिशाली है, और गूदे–गूदे को अलग करके, आर–पार छेदता है, और हृदय की भावनाओं और विचारों को जांचता है।"

84 "और जैसा नूह के दिनों में हुआ था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आने पर होगा, क्योंकि वे खा रहे थे, पी रहे थे, विवाह कर रहे थे, विवाह में दे रहे थे; बडी–बडी इमारत की योजनाये।" और हम संसार को देखते हैं, "वहां चिन्ह होंगे, ऊपर आकाश में भयानक दृश्य होंगे (यह उड़न तश्तरी है), विभिन्न स्थानों में भूकम्प होंगे, समुद्र दहाड़ उठेगा (ज्वार की लहरें), मनुष्य को हृदय का दौरा पड़ना (डर से), राष्ट्र के बीच संकट, समय की उलझन।"

85 "और जैसा लूत के दिनों में था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आने पर होगा।" हे परमेश्वर, आज रात आकर और अपने वचन को पूरा करो, आज रात आकर और अब्राहम के बच्चों के विश्वास का सम्मान करें। यीशु मसीह के नाम में से होते हुए हम इसे मांगते हैं। आमीन।

86 प्रभु आपको बहुतायत से आशीष दे। मैं अब इसी समय पर वेदी की पुकार को नहीं करूंगा। मैं इसे आप पर छोड़ने जा रहा हूं। मुझे लगता है कि, बहुत सी बार वेदी की पुकार होती है... मैं उनके साथ विश्वास करता हूं। "लेकिन जितनो ने ग्रहण किया, उनका बपतिस्मा हुआ था।" ऐसा ही है, "जितनो ने उसे ग्रहण किया।" हम बीमारों के लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं।

87 मैं पूरी रात यहां बोल सकता था। आप एक प्यारे श्रोतागण हैं। लेकिन मैं जो कहता हूं तो ये सिर्फ एक मनुष्य है; लेकिन यदि मैं उसके शब्दों को कहता हूं, तो यह मेरे शब्द नहीं हैं, यह उसके शब्द हैं। यदि मैं कुछ कहता हूँ, और परमेश्वर उसका समर्थन नहीं करता, तो ये मेरा शब्द था। यदि मैं उसका वचन कहता हूँ, और वह उसका समर्थन करता है, वो पापी पुरुष या स्त्री, लड़का या लड़की कौन है, जो चला जाएगा और कहेगा कि ये ऐसा नहीं है?

88 यीशु ने कहा, जब उसने इन बातों को कहा, तो उन्होंने कहा, "यह मनुष्य एक ज्योतिष विद्या बतानेवाला है। वो एक शैतान है!" एक ज्योतिष विद्या बतानेवाला, कोई भी जानता है कि ज्योतिष विद्या बताने वाला शैतान की ओर से है। उसने कहा, "वह एक ज्योतिष विद्या बताने वाला है।" लेकिन क्या आपने कभी किसी ज्योतिष विद्या बताने वाले को सुसमाचार का प्रचार करते देखा है? क्या आपने कभी ज्योतिष विद्या बताने वाले को दुष्टात्माओं को निकालते देखा है? नहीं, बिल्कुल, वे ऐसा नहीं करते।

89 उसने बोला, "अब, मैं मनुष्य का पुत्र तुम्हें इसके लिए क्षमा कर दूंगा। लेकिन जब पवित्र आत्मा आएगा, तो उसके विरोध में बोलना इस जगत में या आनेवाले जगत में कभी क्षमा न किया जाएगा, क्योंकि यह परमेश्वर के कार्य को अशुद्ध आत्मा बता रहा है।"

90 परमेश्वर आज रात्रि हम पर दया करें, और मैं प्रार्थना करता हूं कि परमेश्वर नीचे आए और आपके सामने इस वचन की पुष्टि करें।

91 भाईयों, बहनो, यह मेरा प्राण है। मुझे परमेश्वर से भेंट करना है। मैं आपसे जो कहता हूं उसके लिए मैं जिम्मेदार हूं। परमेश्वर मुझे इसके लिए जिम्मेदार ठहराएगा। यह सही बात है। यहाँ खड़े होकर इन बातों को कहने से मुझे क्या लाभ होगा यदि मैं जानता हूँ कि मैं अपने प्राण को को नरक के लिए दोषी ठहरा रहा हूँ?

92 "वहां एक मार्ग है जो मनुष्य को ठीक जान पड़ता है, लेकिन उसका अंत मृत्यु का मार्ग है।" परमेश्वर को किसी अनुवादक की आवश्यकता नहीं है। जैसा मैंने कहा था, वह अपने ही वचन का अनुवादक है।

93 "अब्राहम का बीज शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा।" क्या आप इसे विश्वास करते हो?

94 यदि मैं आपको चंगा कर सकता, तो मैं करता। मसीह ने आपको पहले ही चंगा किया है। केवल एक चीज, आपके हाथ में चाबी है। यह चाबी आपका विश्वास है, इसे पकड़ने के लिए। आज रात इसे खोले, क्या आप नहीं खोलेंगे? जबकि वह हमारे बीच में आता है, वह सामर्थी जय पाने वाला जिसने हर बीमारी पर जय को पाया, और यहाँ आकर और आपको दिखाये कि उसने इसे कर दिया है, क्योंकि वह अब भी वचन है। "और वचन उन विचारों को परखने वाला है जो ह्रदय में होते हैं।"

95 कौन सा प्रार्थना कार्ड? बी, एक से... हमने उस रात को कहाँ से शुरू किया? [कोई कहता है, "एक।"—सम्पा।] आइये पचास से आरंभ करते हैं। किसके पास प्रार्थना कार्ड बी, पचास है? अपने हाथ को ऊपर करें। प्रार्थना कार्ड बी। हमने उस रात को एक से आरंभ किया था, अब हम आज रात पचास से आरंभ करने जा रहे हैं।

96 किसके पास बी, बी, पचास है? अपना हाथ ऊपर करें। प्रार्थना कार्ड बी, पचास। आपका मतलब है कि यह यहाँ पर नहीं है? क्या आपके पास ये है? तो ठीक है, बी, पचास। बी, इक्यावन, यह किसके पास है? बी, इक्यावन, तो ठीक है। बी, बावन, किसके पास बी, बावन है? तो ठीक है, आपके पास है। बी, तिरपन, चौवन, ठीक यहाँ पर आ जाए। चौवन, पचपन।

97 मेरे अंदर आने से ठीक पहले मेरा लड़का यहाँ आता है, और कार्डों का एक बंडल को यहाँ–वहां कर देता है। और देखें कि वे किस तरह हैं, एक *यहाँ* और एक *वहाँ*? वे नहीं जानते। आप *इस* पंक्ति में नीचे आ सकते हैं

और एक को ले, अगली एक पंक्ति दस को ले, अगली पंक्ति पच्चीस को ले सकते हैं। हम नहीं जानते कि यह कहाँ पर है, लेकिन, वे जो भी हैं।

98 अब हम कितनों को बुलाएं? पांच, चार? बी, पचास। क्या बी, पचास था, क्या ऐसा था? [कोई कहता है, "हाँ।"—सम्पा।] बी, पचास से पचपन। छप्पन, सत्तावन, अट्ठावन, उनसठ, साठ। अब आओ हम देखते हैं, एक, दो... उन्हें गिनें, बिली, और हम लेंगे... साठ, सत्तर, यदि आप चाहो तो पहले उन्हें खड़े होने दो। बी, पचास से सत्तर, पचहत्तर। भाई रॉय, यदि आप चाहें तो उन्हें गिन लें, जब मैं सभा के लोगों से बात कर रहा हूँ।

99 अब वहां कितने लोग हैं जैसे आप इस ओर देखते हैं, और आपके पास प्रार्थना कार्ड नहीं है?

100 याद रखें, यीशु ने कहा, "जो काम मैं करता हूँ वे तुम भी करोगे।" क्या ये सच है? यह सच है। क्या आप इसमें विश्वास करते हो? अब्राहम का बीज ऐसा कहता है।

101 बाईबल कहती है, कि, "वो महायाजक है।" इब्रानियों, 4था अध्याय, "वो महायाजक है जिसे हमारी दुर्बलताओं की भावना से छुआ जा सकता है।" क्या आप इसे विश्वास करते हो? यदि वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है, वह ऐसा कैसे करेगा?

102 बाईबल में एक छोटी स्त्री थी, जैसा कि आप ध्यान दे रहे हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ। एक छोटी सी महिला, बाईबल में, हो सकता है उसके पास प्रार्थना कार्ड नहीं था; लेकिन उसने अपने ह्रदय में कहा, "क्या मैं उस मनुष्य को छू सकती हूँ, मैं उस पर विश्वास करती हूँ।" उसने सारा पैसा लगा दिया था जो उसके पास था, क्योंकि डॉ–... डॉक्टरों पर। वे उसकी मदद नहीं कर सके। उसका मामला बहुत बड़ा था। वे उसकी मदद नहीं कर सके। लेकिन उसे विश्वास था कि परमेश्वर उसकी सहायता करेगा। और उस ने उसके वस्त्र का किनारे को छू लिया।

103 और उसने कहा, "मैं समझता हूं कि मुझ में से सद्गुण निकला है।" क्या ये सही है?

104 क्या आप विश्वास करते हैं कि वह आज रात वही है? क्या आप विश्वास करते हैं कि वह यहाँ पर है? कितने लोग विश्वास करते हैं कि वह मरे हुओं में से जी उठा? अब आप कैसे साबित कर सकते हो कि वह मरे हुओं में से जी उठा?

105 ज्यादा समय नहीं हुआ, एक प्रसिद्ध बैपटिस्ट व्यक्ति मेरे पास आया, और उसने कहा, "भाई ब्रंहम, मैं एक मुसलमान के द्वारा एक समय हार—हार गया था, जिसने ऐसा कहा था। उसने कहा, 'यदि वो जी उठा है, तो उसने प्रतिज्ञा की है कि वह उसी काम को करेगा। आओ हम उसे इसे करते हुए देखे।'" देखिए, वे विश्वास हैं कि उसने ऐसा नहीं किया।

106 लेकिन हम विश्वास करते हैं कि वह इसे करता है। हम विश्वास करते हैं कि वह मरे हुओं में से जी उठा है। दुनिया में कोई और धर्म नहीं है जो यह साबित कर सके कि उनके संस्थापक जीवित हैं, मसीही धर्म को छोड़। और केवल एक ही तरह से परमेश्वर इसकी पुष्टि कर सकता है, वह उन लोगों के जरिये से है जो इस पर विश्वास करते हैं; क्योंकि केवल इसी तरीके से परमेश्वर अपने वचनों को कार्य में लाता है, वो है ये लोग जो इस पर विश्वास करते हैं।

107 अब जब वे इस छोटी सी प्रार्थना की पंक्ति को यहाँ पंक्तिबद्ध कर रहे हैं, मैं नहीं जानता कि हमें कितने लोग मिलेंगे, मैं चाहता हूं कि आप में से हर एक जन, अपने स्थान को ले, अपनी सीट पर जाये, यहाँ–वहां नहीं जाए, इस ओर देखे और प्रार्थना करें, कहे, "प्रभु यीशु, मैं विश्वास करता हूं।"

108 आपको याद है, उसने मुझसे कहा था, "यदि तुम लोगों को अपने पर विश्वास करने को लगाते हो; और फिर जब तुम प्रार्थना करो तो सच्चे बने रहो।" ऐसा पूरे राष्ट्र भर में रहा है, आगे और पीछे, पंद्रह वर्षों से, यह एक बार भी विफल नहीं हुआ। यह विफल नहीं हो सकता।

109 परमेश्वर, एक चीज जो परमेश्वर नहीं कर सकता, वह है असफल। उसे अपने वचन को पूरा करना है। मैं यह विश्वास करता हूं। मेरा विश्वास है बस उतना ही जैसे मैं... उससे भी ज्यादा जितना मुझे विश्वास है कि मैं यहाँ खड़ा हूँ, जितना मुझे विश्वास है कि मैं इस इमारत में हूँ उससे भी ज्यादा; यह एक मृगजल हो सकता है, यह एक सपना हो सकता है। मेरे प्राण में, मैं जानता हूं कि यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र जीवित है। और आप अब्राहम के बीज होने के नाते, आप मसीह में मरे हुए है, आप अब्राहम के बीज हैं।

110 अब उन्हें यहां कुछ रुमाल मिले है। इससे बड़ी सफलता मिलती है, लोग जो विश्वास करते है। अब आइये हम अपने सिरों को झुकाएं, जबकि वे तैयार हो रहे हैं, और इनके लिए प्रार्थना करें।

111 स्वर्गीय पिता, हमें बाईबल में सिखाया गया है, और यहाँ ऐसे लोग हैं जो हर उस वचन का विश्वास करते हैं जो आपने कहा है वह सत्य है। प्रभु, कभी–कभी वे डगमगाने लगते हैं और चाबी से चाबी के छेद पर धकेलने का यत्न करते हैं, इससे चुकने लगते हैं, और जुटे रहते हैं, लेकिन उनका विश्वास है कि यह वहां है। बस उन्हें धकेलते रहने दो, वे इसे पा लेंगे, क्योंकि यह वहां पर है। और वह चाबी सही चाबी है, "यदि तुम विश्वास कर सकते हो, तो सब कुछ संभव है।" जैसे अभी गीत गाया जा रहा है, या बजाया जा रहा है।

112 बाईबल में यह कहा गया है कि, "पौलुस ने अपने शरीर से रूमाल और कपड़ों को लेता, और उन्हें बीमारों और पीड़ितों के पास भेज देता, और अशुद्ध आत्माएं लोगों में से निकल जाती थीं, और वे चंगे हो जाते थे।"

113 अब, प्रभु, हम जानते हैं कि संत पौलुस आपके साथ है। लेकिन, यह वह नहीं था; यह आप थे, प्रभु, उसमें मसीह था। "यह मैं नहीं जो जीता हूं, लेकिन मसीह मुझ में जीता है, " उसने कहा।

114 और अब इस पीढ़ी के लिए, आप आज भी मसीह हैं, जैसे आप कल थे। और जब मैं इन रूमालों के ऊपर प्रार्थना करता हूं, उन्हें छूते हुए, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हर एक शत्रु को हरा देंगे। उन्हें विश्वास दें, उन्हें यह बताने के लिए कि शत्रु हार चूका है।

115 और एक समय, लाल समुद्र, जैसा कि हमने अभी बताया, इस्राएल प्रतिज्ञा से अलग हो गया, और वे कर्तव्य की पंक्ति में थे। और एक लेखक ने कहा, कि, "परमेश्वर ने क्रोध भरी आँखों से देखा, आग के उस खम्भे में से होते हुए, और समुद्र भयातुर हो गया, और उसके फाटकों को खोल दिया, और वे उस पार चले गए।"

116 नीचे देखें, आज रात्रि, यीशु मसीह के लहू में से होते हुए। और हो सकता है, जब ये रूमाल बीमारों पर रखे जाये, होने पाए आज रात शत्रु हमारे विश्वास को देखे, जब हम उनके लिए विश्वास की इस प्रार्थना को करते हैं। और होने पाए हर एक को यीशु मसीह के नाम में छुड़ाया जाए। आमीन।

117 अब मैं आपका अविभाजित ध्यान चाहता हूं। कभी जो यहां माइक पर है, आप इसे आगे बढ़ा सकते हैं। क्योंकि, यदि पवित्र आत्मा को ऐसा करना है... यह मैं नहीं कहता कि वह करेगा।

118 अब कोई भी यहाँ आकर और आपको बताता है कि उनके पास बीमारों को चंगा करने की सामर्थ है, आप इस पर विश्वास नहीं करना। सारी सामर्थ मसीह में है। वो जय पाने वाला है, ना ही आप और मैं। उसने जो किया है हम बस उसे स्वीकार करते हैं। किसी भी मनुष्य के पास बचाने या चंगा करने की सामर्थ नहीं है।

119 संसार का हर एक मनुष्य, दाम को पहले ही चुकाया गया है। मांग का भुगतान किया गया है। यह किस तरह से था? "वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया था, उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए।" आपकी—आपकी चंगाई के लिए दाम को दिया जाता है। आपके उद्धार का दाम दिया जाता है। क्या आपके पास आकर, इसे ग्रहण करने का विश्वास है? ऐसा ही है। यदि आप अब्राहम के बीज हैं, तो आपके पास है। परमेश्वर ने इसकी प्रतिज्ञा की। आप में कुछ है जो कहता है कि वहां है यह, और यही है।

120 अब दान क्या है? क्या बाहर जाकर लोगों को चंगा करना दान है? नहीं। एक दान ये होता है कि अपने आप को रास्ते से हटाये, जिससे कि परमेश्वर आपका उपयोग कर सके।

121 अब उसने इसकी प्रतिज्ञा की, अन्तिम चिन्ह, यीशु मसीह के अनुसार, "जैसा सदोम के दिनों में था, इसके जलने से ठीक पहले।" ना ही अन्य बातों के घटित होने से पहले, लूत के द्वारा सुसमाचार का प्रचार किया गया था, और इत्यादि; यह नहीं। लेकिन उसके जलने से ठीक पहले परमेश्वर मनुष्य के रूप में नीचे उतर आया, और चुनी हुई कलीसिया, अब्राहम और उसके झुण्ड के साथ बैठता है, जिसके पास प्रतिज्ञा थी।

122 अब याद रखना, केवल अब्राहम का बीज ही इसे ग्रहण करता है। "थोड़ी देर रह गयी है और संसार मुझे नहीं देखेगा," यीशु ने कहा। "तुम मुझे देखोगे, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, तुम में रहूंगा, संसार के अंत तक।"

123 लेकिन उसने प्रतिज्ञा की, इससे ठीक पहले वह फिर से वापस लौटे, "जैसा कि सदोम में था," देखो सदोम क्या होता जा रहा है; देखो चुनी हुई कलीसिया क्या होती जा रही है, कहा, "वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आने पर होगा।" परमेश्वर एक मनुष्य के रूप में प्रकट हुआ, जिसने तम्बू की

ओर पीठ करके और बताया कि सारा ने तम्बू के भीतर क्या किया। हर एक जन कोई जानता है कि यह सच है, अपने हाथ को उठाये। बिल्कुल ऐसा ही है। अब उसने यह प्रतिज्ञा की। हम अंत समय पर हैं। अब याद रखना, वह आखिरी बात थी जो घटित हुई थी; और अन्यजातियों की दुनिया जल गई, सदोम, और प्रतिज्ञा किया हुआ पुत्र दृश्य पर आ गया। हम एक प्रतिज्ञा किये हुए पुत्र, परमेश्वर के पुत्र के लिए देख रहे हैं।

124 यहाँ हम हैं। होने पाए परमेश्वर आपकी आंखों को खोल दे। मैं और कहने के लिए कुछ नहीं जानता। होने पाए वह आपकी आंखें खोल दे।

125 अब स्वर्गीय पिता, मैं उतना ही असहाय हूँ, मैं मिट्टी का एक लौंदा हूँ जिसे आपने एक साथ ढाला है, और यहाँ पर रखा हैं। हे परमेश्वर, होने पाए आज रात्रि मुझे आपका अनुग्रह और उपस्थिति मिले, कि ऐसा हो सके कि आप मिट्टी के इन छोटे–छोटे ढेलों का उपयोग कर सके जो आपको यहां मिले हैं। कि वे, प्रभु, जिन्हें आपने अनन्त जीवन के लिए बुलाया है, और हो सकता है अभी तक इसे स्वीकार नहीं किया हो, होने पाए वे इन प्रतिज्ञाओं को देखें। हो सकता है कि उन्हें यह सिखाया गया हो जो किसी और दिन के लिए था, लेकिन यहाँ यह बाईबल में है। इसकी पुष्टि करें, प्रभु। यही आपका अपना अनुवाद है। इससे ज्यादा की जरूरत नहीं है। यदि आप इसे बस उसी तरह से रखेंगे, तो वे देखेंगे कि वचन सत्य है। इसे प्रदान करें, पिता। हम अपने आप को आपको समर्पित करते हैं।

126 प्रभु, आज रात्रि प्रत्येक व्यक्ति अपने विश्वास का उपयोग करें। होने पाए अब्राहम के गोत्र का प्रत्येक सदस्य, यीशु मसीह के जरिये से, आज रात विश्वास करें, और आपकी उपस्थिति को स्वीकार करें। और हम आपको स्तुति देंगे। आमीन।

127 अब, क्या यह ला–... अब यह एक असमान्य है। मैं चाहता हूं कि अब आप मेरी सहायता करें, मेरे लिए प्रार्थना करें। एकदम शांत बैठे रहे, यहाँ–वहां ना जाये। शांत बैठकर, प्रार्थना करें।

128 अब, देखो, यह सुसमाचार प्रचार से बदल रहा है, खुद को इस तरह से शिथिल करना कि परमेश्वर की आत्मा आपको पूरी तरह से दूसरे आयाम में ले जा सके।

129 अब यहाँ यह युवा खडी है... थोड़ा इधर आ जाये, महिला। और केवल... यह ठीक है, इसलिए कि मैं इस माइक से दूर नहीं जाऊंगा। देखो,

मैं नहीं जानता कि क्या होता है, आप देखना, और फिर कभी–कभी, आप जानते हैं... अब केवल जिस तरह से मैं इसे जानता हूं, ये—ये माइक पर होता है, आप देखिए, और वे इसे वहां पकड़ने की कोशिश करते हैं, और मुझे नहीं पता कि क्या है।

130 अब हम एक दूसरे के लिए अजनबी हैं। मैं आपको नहीं जानता, आपको अपने जीवन में कभी नहीं देखा। लेकिन आप मुझसे बहुत ही छोटी हैं। और हमारे जन्म का शायद मीलों दूर फासला था, और वर्ष अलग–अलग थे। यह हमारी पहली मुलाकात है। क्या यह सही है? यदि ऐसा है, तो अपना हाथ ऊपर उठाएं ताकि सभा के लोग देख सकें। अब, वो यहाँ बस खड़ी एक महिला है।

131 देखो, इसे वापस वचनों में ले। आइए संत यूहन्ना 4 को लें। जब आप घर जाए तो आप में से हर एक जन इसे पढ़े। ना ही—ना ही ऐसा है कि यह महिला उस प्रकार की महिला है; मैं नहीं जानता। और आप जानते हो कि मैं यीशु मसीह नहीं हूँ। लेकिन वो यहाँ पर है। यह वही है। अब उसका आत्मा हमारा अभिषेक कर रहा है, उसकी परेशानी को प्रकट कर सकता है, जैसे उसने कुएँ पर स्त्री के लिए किया था। वही बात।

132 और, उस के द्वारा, जहां पर उस दिन के याजकों और प्रधानों ने कहा, "यह मनुष्य ज्योतिष विद्या बताने वाला है, या शैतान, बालजबुल है।"

133 इस महिला ने कहा, "महोदय, मैं यकीन करती हूं कि आप एक भविष्यव्यक्ता हैं। हम जानते हैं कि मसीहा आने वाला है, और यह उसका चिन्ह होगा।"

134 अब, कितने लोग जानते हैं कि यह सच है? तो ठीक है, यदि वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है, तो क्या यह आज रात उसका चिन्ह नहीं होगा? क्या उसने प्रतिज्ञा की थी कि ऐसा समय के अंत से ठीक पहले होगा? अब देखना कि क्या वह अब्राहम के बीज के लिए अपनी प्रतिज्ञा को पूरा करता है।

135 अब यदि यहां कोई सोचता है कि यह गलत है, तो आप यहां आकर और उसी काम को करें। यदि ऐसा नहीं है, तो इसके बारे में कुछ भी ना कहें। आपके पास विशेषाधिकार है।

136 अब, मसीह के नाम में, मैं परमेश्वर की महिमा और आदर के लिए हर एक आत्मा को अपने नियंत्रण में लेता हूँ।

137 मैं केवल आपसे थोड़ी देर बात करूंगा, जवान महिला। आप जानते हैं, हमारे प्रभु ने कुयें पर उस महिला से बात की थी। उसने कहा, "मुझे जल देना।" वो क्या कर रहा था?

138 अब देखो, उसने संत यूहन्ना 5 में कहा, "मैं तुम से सच सच कहता हूं, कि पुत्र," यह उसका शरीर था, "अपने आप में कुछ नहीं कर सकता," केवल वो जो पिता को करते देखता था। "पिता जो करता है, वो पुत्र को दिखाता है। देखो, मैं अपने आप में कुछ नहीं कर सकता, लेकिन जैसा मैं देखता हूं कि पिता इसे करता है।" फिर, यीशु ने तब तक कोई अद्भुत कार्य नहीं किया जब तक कि पहले परमेश्वर ने उसे एक दर्शन के द्वारा नहीं दिखाया; ना ही उसके कान में बताया, लेकिन उसे दिखाया। "जो मैं देखता हूं," ना ही सुना, "पिता को करते हुए देखता हूं।" यही है जो उसे मूसा के समान भविष्यव्यक्ता बनाया, जैसा कि मूसा ने कहा। अब जब वह—वह जानता था पिता... वह आगे...

139 वह येरीहो की ओर जा रहा था, लेकिन उसे सामरिया से होकर जाने की आवश्यकता थी, और वो सूखार नगर में आया। और अब देखो, सामरी लोग एक मसीहा के लिए देख रहे थे।

140 यहूदी उसके लिए देख रहे थे, और उसने उन्हें उसके चिन्ह को दिखाया। फिलिप्पुस, नतनेएल, पतरस को जैसे ही उस चिन्ह को दिखाया गया, उन्होंने कहा, "तुम परमेश्वर के पुत्र हो।"

रब्बी ने कहा, "यह मनुष्य बालजबुल है।"

141 लेकिन अब याद रखना, अन्यजाति, हम लोग, हम एंग्लो–सैक्सन थे, हम—हम किसी मसीहा के लिए नहीं देख रहे थे। हम मूर्तिपूजक, रोमी लोग, और इत्यादि थे। हम किसी मसीहा के लिए नहीं देख रहे थे। वह केवल उन्हीं के पास आता है जो उसके लिए देख रहे होते हैं।

142 लेकिन सामरी लोग उसके लिए देख रहे थे, इसलिये उसे उनके पास से होकर जाना था, सामरिया से होकर जाना था। वह कुएं के पास बैठ गया। एक युवा स्त्री, शायद जो लगभग आपकी उम्र की थी, बाहर आयी। वह बदनाम स्त्री थी। मैं सोचता हूं आपने कहानी को पढ़ा है। और उसने कहा, "महिला, मुझे जल देना।"

143 उसने कहा, "ओह, यह तुम्हारे लिए रीति के अनुसार नहीं है, एक यहूदी, सामरी से इस तरह से मांगे।"

144 उसने कहा, "लेकिन यदि तुम जानती कि तुम किससे बात कर रही हो, तो तुम मुझसे पीने के लिए जल को मांगती।"

145 बातचीत जारी रही। अंत में, उसने पाया कि उसकी परेशानी कहाँ पर थी। आपको याद है कि ये क्या था? उसके बहुत सारे पति थे। और कहा, "जाओ अपने पति को लेकर, यहाँ आओ।"

उसने कहा, "मेरा कोई पति नहीं है।"

146 कहा, "तूने ठीक कहा," कहा, "क्योंकि तेरे पास पाँच थे, और जिसके साथ तुम अभी रह रही हो वह तुम्हारा नहीं है।"

147 उसने कहा, "महोदय, मैं यकीन करती हूं कि तुम एक भविष्यव्यक्ता हो। हम जानते हैं कि मसीहा आने वाला है, वह हमें इन चीजों को बताएगा।"

और उसने कहा, "मैं वही हूँ।"

148 वह अपने पानी के घड़े को छोड़कर नगर की ओर भाग गई, और कहा, "आओ, एक मनुष्य को देखो जिसने मुझे बताया कि मैंने क्या किया है। क्या यह मसीहा तो नहीं है? " उनके पास सैकड़ों वर्षों से कोई भविष्यव्यक्ता नहीं था। और यहाँ एक मनुष्य था जो मसीहा होने का दावा करता है, और उसने साबित किया वो एक—एक भविष्यव्यक्ता है, और मसीहा के चिन्ह को दिखाया।

149 क्या यह तुम्हें उसी बात का विश्वास दिलाएगा, यदि उसने उसी काम को किया, वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है ये होने का, और उसने इन वचनों के द्वारा प्रतिज्ञा की है कि वह ऐसा करेगा?

क्या इससे श्रोतागण को विश्वास होगा?

150 आप गुर्दे की समस्या से पीड़ित हो। यदि यह सही है, तो अपना हाथ ऊपर उठाएं।

151 वह हमेशा मेरे मुंह पर वापस क्यों आता है? कोई कहता है, "उसने अनुमान को लगाया।" मैंने कभी भी इसका अनुमान नहीं लगाता हूं।

152 यहाँ, वह एक भली महिला है। क्या आप मुझ पर विश्वास करती हैं? अब आप जानते हैं कि मैंने कभी भी इसका अनुमान नहीं लगाया था। मुझे कुछ और कहने दो। आपके पति आपके साथ हैं। वह भी पीड़ित है। क्या वो नहीं है? रीढ़ की हड्डी की तकलीफ है। यह सही बात है। क्या ऐसा नहीं है? आपके साथ एक छोटा सा लड़का है। वह भी पीड़ित है। आप चाहती हैं

कि उसके लिए प्रार्थना की जाए। उसकी आंखों में कुछ तो परेशानी है। यह सही बात है। आपके साथ एक छोटी लड़की है, उसे आपकी तरह किडनी की समस्या है। क्या यह सही है? अब आप सब ठीक हो सकते हो, यदि आप विश्वास करेंगे। क्या आप इसे विश्वास करती है? परमेश्वर आपको आशीष दे। अपने रास्ते पर जाओ और चंगे रहो।

153 क्या आप विश्वास करती हैं? वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। यह क्या है? वो क्या करने की कोशिश कर रहा है? आपके लिए, अब्राहम के बीज, वह आपको दिखा रहा है कि वह मरा नहीं है। मैं उन चीजों को नहीं कर सकता। वह मरा नहीं है। लेकिन वह एक जीवित है, आपको दिखा रहा है कि आपके पास आपके शत्रु के फाटकों पर अधिकार करने का अधिकार है। इससे बात ख़त्म हो जानी चाहिए।

154 यह महिला, इस तरफ से आये, बस एक क्षण। हम लगभग, कहीं एक ही उम्र के है, मुझे लगता है। लेकिन हम—हम जहां तक मैं जानता हूं, हम एक–दूसरे के लिए अजनबी हैं। मैं आपको नहीं जानता, और हम अजनबी हैं। मैं आपके बारे में कुछ नहीं जानता। यदि यह सही है, तो अपना हाथ ऊपर उठाएं, देखें। [बहन कहती है, "यह सही बात है।"—सम्पा।] बस उनमें से कुछ आपको एक प्रार्थना कार्ड देते हैं, और यहाँ आप पर हैं। तो ठीक है। अब यदि प्रभु यीशु...

155 यदि मैं, हो सकता है, कहूं कि मैं भाई ओरल रॉबर्ट्स की जगह लेने की कोशिश कर रहा था, या उन महान विश्वास के लोगों में से किसी की, मैं कहूँगा, "महिला, तुम्हारे साथ क्या गलत है? "

156 आप कहेंगी, "खैर, मुझे *यह–और–यह* है।" अब, यह हो सकता है सही नहीं हो। देखा? मैं नहीं जानता। समझे? लेकिन, वह, आप उसे बता सकती हैं कि क्या गलत है।

157 वह आप पर हाथ रखेगा, कहेगा, "परमेश्वर ने मुझे बीमारों के लिए—के लिए प्रार्थना करने को भेजा है। क्या आप यह विश्वास करती हैं? " "हाँ।" "परमेश्वर की महिमा हो! जाओ, इसे विश्वास करो।"

158 ये सब ठीक है। ये सब ठीक है। परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है। लेकिन, आप देखते हैं, हम उस—उस दिन से थोड़ा और ऊपर रह रहे हैं। यीशु ने प्रतिज्ञा की, "जैसा सदोम के दिनों में था। जो काम मैं करता हूँ तुम भी करोगे।"

159 अब यदि परमेश्वर मुझे बता सकता हैं कि आप क्या थे, आप जानते हैं कि यह सच है या नहीं। वह आपको बता सकता है कि आप क्या होंगे। और यदि यह सच है, तो यह भी सच होगा। यदि वो आपको जो कुछ भी बताता है, मैं नहीं जानता; लेकिन यदि वह मुझे बताएगा कि आपकी परेशानी क्या है।

160 क्या आप भी इस पर विश्वास करेंगे, श्रोतागण?

161 मुझे वास्तव में रुक जाना चाहिए। कि एक बार, वो व्यक्ति जो थोड़ी देर पहले यहां था, उसे इसकी पुष्टि करनी चाहिए। यीशु ने इसे एक बार किया। उसने इसे एक बार भी और नहीं किया। सूखार में हर किसी ने इस पर विश्वास किया, महिला की गवाही पर विश्वास किया, जब उस महिला ने आकर, उन्हें बताया, और वह एक बदनाम महिला थी। आप सब के सामने एक मसीही अभी मंच से चला गया! आमीन। लेकिन लोगों यह हमारे सोचने से भी अधिक देर होती है, होने पाए प्रभु स्वयं को साबित करना जारी रखें, वो महान, पराक्रमी जय पाने वाला, कि अब्राहम का बीज... लेकिन अब्राहम के समान, उसने इसे अब्राहम के लिए एक बार किया; फिर उसे नष्ट कर दिया, और फिर से किया। अब्राहम का लगातार परमेश्वर पर विश्वास करना।

162 आप यहां अपने लिए नहीं हैं। आप यहां किसी और के लिए हैं, और वह एक महिला है। यह आपकी बहन है। और वो महिला मृत्यु की छाया में है। और वह एक—एक मधुमेह से पीड़ित है। और वो यहाँ से नहीं है। वह एक... वह लुईसियाना से है, जो एक दलदली देश है। उस... और यहाँ एक और बात है, जिससे कि श्रोतागण इसे जान सकें। आपकी एक बेटी है जो बहुत ही बीमार है, जो इस सभा में आने की योजना बना रही है, और उसे मिर्गी है। यह सच है। यह सच है। क्या ऐसा नहीं है? क्या आप अब विश्वास करती हैं? [बहन कहती है, "हाँ। आमीन।"—सम्पा।] यदि आप अब्राहम के बीज हैं, तो इसे स्वीकार करें और बाहर चलकर जाए, और यीशु मसीह के नाम से चंगे रहे।

163 क्या आप विश्वास करती हैं? निश्चित रूप से। याद रखें, यह उसकी प्रतिज्ञा है। उसने कहा कि वो इसे करेगा। वह अपनी प्रतिज्ञा को पूरा करता है।

164 आप कैसे हैं? हम एक दूसरे के लिए अजनबी हैं। मैं आपको नहीं जानता। लेकिन परमेश्वर आपको जानता है। क्या आप विश्वास करते है कि यदि परमेश्वर आपकी परेशानी को मुझ पर प्रकट कर सकता है, तब आप ये जान जाते हैं कि इसे किसी आत्मिक सामर्थ से आना है। अब, वहां केवल दो चीजें हैं जिनसे यह आ सकता है, जिसकी आप कल्पना कर सकते है। जब यह हो जाता है, यह बात समझाने से परे है, क्योंकि यह एक असाधारण बात होती है। और, यह भी, यह एक विरोधाभास है; कुछ, तो, यह अनुचित तरह से है, फिर भी सच है। यह एक विरोधाभास होगा। और अब आप इसे जानते हैं, कि क्या यह सच है या नहीं, आप जान जायेंगे कि उसने आपको सच बताया है या नहीं।

165 अब, याद रखना, मैं आपको नहीं जानता। यह मुझे छोड़ कोई को तो होना है। यदि आप फरीसियों को पसंद करते है, और कहते है, "ओह, यह तो एक दुष्ट आत्मा है," तो आपके पास उसका प्रतिफल होता है। यदि आप विश्वास करते है कि यह तो मसीह है, तो आपके पास उसका प्रतिफल होता है। वो कारण जिससे आप इसका विश्वास कर सकते है, क्योंकि उसने आज के दिन के लिए इसकी प्रतिज्ञा की है, और यह उस समय से लेकर आज तक नहीं हुआ है। यही इसे अंत का समय बनाता है।

166 कोई तो है जो हर समय आपके सामने आता रहता है। यह एक मनुष्य है, जिसके बाल सफ़ेद है। यह आपका पति है। ठीक वहां पर बैठा हुआ है। वह अपनी चंगाई को स्वीकार करने की कोशिश कर रहा है, कैंसर, ट्यूमरस, कैंसर से छाया ग्रस्त है। आपको गुर्दे की समस्या है, मूत्राशय की परेशानी है। आप श्रीमान और श्रीमती लिटिल हैं। क्या वह सही है? [बहन कहती है, "हाँ।"—सम्पा।] अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करें, और चंगे हो जाये।

167 "आप कहते हैं उसका, उनका नाम?" क्यों, निश्चित रूप से। क्या यीशु ने पतरस से नहीं कहा, "तेरा नाम शमौन है, योना का पुत्र"?

168 यहाँ एक पुरुष है। हम एक दूसरे के लिए अजनबी हैं, महाशय। मैं आपको नहीं जानता। लेकिन आप एक मनुष्य हो, जैसे—जैसे प्रभु यीशु के पास पतरस आया, हम एक साथ आये हैं। क्या आप मुझे उसका सेवक होने का विश्वास करते हैं? क्या आप विश्वास करते हैं कि मैंने जो बताया है वह सत्य है? [भाई कहता हैं, "जी हां, महोदय। मैं करता हूँ,

महोदय।"—सम्पा।] यदि आप इस पर विश्वास कर सकते हैं! मैं, यदि मैं आपके लिए कुछ भी कर सकता, तो मैं इसे करता, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं है जो मैं कर सकता हूँ। वो पहले ही कर चुका है; यह आपको इस पर विश्वास दिलाने के लिए बस कुछ तो है। और, देखो, यह मैं नहीं होऊंगा। यदि यह मैं होता, तो मैं—मैं आपके लिए वह सब कुछ करता जो मैं कर सकता हूं। लेकिन उसने मुझे एक दान को दिया, और मैं बस उसके सामने शिथिल रहता हूँ, और वह बात करता है। क्या आप यह विश्वास करते हैं? ["हाँ।"]

169 क्या आप ऐसा विश्वास करते हैं, श्रोतागण?

170 मैं एक मनुष्य को ढूँढना चाहता था। आपके साथ बहुत सारी गलत बातें हैं। लेकिन एक बात ऐसा है कि आपकी दाहिनी आंख में एक फोड़ा है। यह आपकी मुख्य परेशानी है। यहां एक और बात है, एक महिला यहां बार-बार दिखाई दे रही है। यह आपकी पत्नी है। क्या आप विश्वास करते है कि परमेश्वर मुझे बता सकता हैं कि आपकी पत्नी के साथ यहाँ क्या गलत है? उसकी समस्या उसके मुंह में है। यह उसके दांत में हैं। यह सही बात है। क्या आप विश्वास करते हैं कि वही यीशु, जो जानता था कि शमौन पतरस कौन था, मुझे बता सकता है कि आप कौन हो? [भाई कहता हैं, "हाँ।"—सम्पा।] क्या इससे आपको बहुत ज्यादा विश्वास मिलेगा? ["जी हाँ, श्रीमान।"] ऐसा होगा? ["हाँ।"] ऑस्कर बार्न्स। ["यह सही है।"] क्या यह सही है? अपने घर के रास्ते जाओ, चंगे रहो।

171 [टेप पर खाली जगह—सम्पा।]... आपके लिए अजनबी। मैं आपको नहीं जानता, लेकिन परमेश्वर आपको जानता है। क्या आप विश्वास करते हैं कि वह मुझे बता सकता है कि आपकी परेशानी क्या है? क्या आप इसे अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करेंगे? आपकी परेशानी आपके गले के आसपास है, और यहाँ आपकी छाती में है। यह एक—यह एक हड्डी की सड़न है। आपको सुजन के जैसा हो रहा है, और आपकी हड्डी की संरचना के अंदर गांठें बन रही है। यह सही बात है। आप यहां से नहीं हो। आप एक—एक ऐसे शहर से है जिसके चारों तरफ संतरे के बाग हैं। यह घाटी में स्थित है, जिसके पीछे पहाड़ों का मनोरम दृश्य है। वहां एंटलर नाम का एक होटल है। यह सैन बर्नार्डिनो है। आप वहीं से हैं। वापस जाये, यीशु मसीह आपको चंगा करता है, यदि आप इसे विश्वास करेंगे।

172 कैंसर को केवल एक ही चीज़ ठीक कर सकती है, वो है परमेश्वर। क्या आप विश्वास करते हैं कि वह आपको चंगा करेगा? [भाई कहते हैं, "बिलकुल विश्वास करता हूं।"—सम्पा।] इसे विश्वास करें! जाये, और प्रभु परमेश्वर आपकी हर एक समझ–बुझ को चंगा करें।

173 हाल ही में आप रही हैं–... अत्याधिक बैचेन, बहुत ही परेशान रही है। इस घबराहट की वजह से आपके पेट की स्थिति खराब हो चुकी है। आप अपना खाना नहीं पचा सकती; इससे आपके मुंह में आ जाता है। यह आपके मुंह में एक एसिड है। दोपहर के बाद, आप बहुत ही थक जाती है और इत्यादि। आपके पेट में पाचक संबंधी अल्सर हो गया है। क्या आप विश्वास करती हैं कि यही यीशु मसीह आपको बता सकता है? [बहन कहती है, "हाँ।"—सम्पा।] तब जाओ अपने भोजन को खा लो। अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करो, यीशु मसीह आपको चंगा करता है।

174 आप कैसे हैं? बहुत सी चीजें गलत हैं। लेकिन जिन चीजों से आप डरती हैं उनमें से एक यह है कि आप गठिया के रोग से अपंग हो जाएंगी। लेकिन क्या आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर आपको चंगा करेगा, आपको इससे चंगा करेगा? [बहन कहती है, "हाँ।"—सम्पा।]

175 प्रभु यीशु, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप इसे मेरी बहन के लिए प्रदान करेंगे। उसे उसकी दृष्टि को दीजिये। उस महिला की परेशानी उससे दूर कीजिये, और यीशु के नाम में गठिया के रोग को चंगा कीजिये। आमीन।

176 अब जाये, विश्वास करते हुए। वह इसे करेगा, और यह सब ठीक हो जाएगा। संदेह ना करें, बस चलते रहे, और अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करें।

177 ह्रदय का रोग भयानक बात है, लेकिन मसीह ह्रदय को चंगा करता है। क्या आप यह विश्वास करती हैं? [बहन कहती है, "हाँ।"—सम्पा।] जाये, विश्वास करे, और यह सब हो जाएगा। सब खत्म हुआ है।

178 क्या आप विश्वास करते हैं कि आप अपंग होने जा रहे हैं? नहीं, मैं भी ऐसा नहीं सोचता। मेरा विचार, गठिया है; वहां पर छाया है, ओह, यह कैंसर है। क्या आपको विश्वास है कि वह इसे चंगा करेगा? [बहन कहती है, "हां, मैं करती हूं।"—सम्पा।] जाओ, विश्वास करो। वह आपको चंगा करेगा।

179 यह आपको परेशान कर रहा है, बिल्कुल कुछ ही समय से, ह्रदय में रूकावट है। लेकिन क्या आप विश्वास करती हैं कि यह आज रात खत्म हो जाएगा? जाकर, विश्वास करें, यीशु मसीह आपको चंगा कर देगा।

180 एक छोटी सी बीमारी रही है, जो महिला की बीमारी है, जो लंबे समय से है। और फिर, आपको, आपके लिए सुबह को उठना कठिन होता है। आपके अंगों में, आपको अकड़न आती है। आप मुश्किल से चल भी नहीं सकती, दोपहर का समय होने तक। यह गठिया रोग है। जाये, सन्देश ना करें, अब आपके पास यह नहीं होगा। बस इसे विश्वास करें, अपने पूरे ह्रदय से।

181 आपके पास बहुत सी चीजें हैं, समस्याएं हैं। लेकिन एक चीज जो आपको बहुत ही बुरी तरह परेशान कर रही है, आप गठिया के बारे में भी सोच रही हैं, जो कि आपको विकलांग बना रहा है। क्या आप विश्वास करती हैं कि वह आपको चलायेगा और चंगा करेगा? [बहन कहती है, "जी हाँ, श्रीमान।"—सम्पा।] जाये, पूरे ह्रदय से विश्वास करें, यीशु मसीह आपको चंगा करेगा।

182 कमजोर ह्रदय, और गठिया, लेकिन क्या आप विश्वास करते है कि परमेश्वर आपको चंगा कर देगा? आप करते है? जाये, और होने पाए प्रभु यीशु आपको चंगा करें।

183 उस पेट ने निश्चित रूप से पिछले कुछ वर्षों में आपको बहुत परेशानी दी है, क्या ऐसा नहीं है? ऐसा अब और नहीं होगा। जाकर, इसे विश्वास करें। परमेश्वर आपको आशीष दे। चंगे रहो।

184 आप भी कर सकते हैं, आपका पेट ठीक हो गया है। जाकर, अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करें। संदेह ना करें।

185 सांस लेने के समय कठिनाई होती है, वह पुराना अस्थमा वास्तव में आपको कमजोर कर देता है, क्या ऐसा नहीं है? क्या आप विश्वास करते है कि यह अब किया जा रहा है? [भाई कहता हैं, "हाँ।"—सम्पा।] तो ठीक है, विश्वास करो। आमीन।

186 हाल्लेलुय्या! क्या आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करते हैं?

187 बस एक क्षण। क्या आप उस प्रकाश को वहां नहीं देखते? एक छोटी सी अश्वेत महिला मेरी ओर देख रही है, जो ठीक यहाँ बैठी हुई है, उसके बायी ओर एक फोड़ा है। उसे किडनी की तकलीफ है, समस्या है। आपके पास अधिक विश्वास था। आपको यहां ऊपर आने की आवश्यकता नहीं है। ये खत्म हो गया है। केवल इसे विश्वास करें। आमीन। परमेश्वर पर भरोसा रखे!

क्या आप इसका विश्वास करती हैं?

188 क्या आप विश्वास करती हैं, बहन, आप वहां बैठ हुए उस रीढ़ की हड्डी की समस्या से छुटकारा पा लेंगी? क्या आप विश्वास करती हैं कि वह आपको चंगा कर देगा? तो ठीक है। बस इसमें संदेह न करें, और यदि आप इसे केवल विश्वास करेंगी तो आप इसे पा सकती हैं।

189 यहाँ पर वो पुरुष बैठा हुआ है, मेरी ओर देख रहा है, प्रॉस्टेट की परेशानी से पीड़ित है, रात में उठ जाता है और इत्यादि। क्या आप विश्वास करते हैं, श्रीमान? यदि आप इसे विश्वास करेंगे, तो यह खत्म हो जाएगा।

190 यहाँ एक अश्वेत पुरुष यहाँ पर बैठा हुआ है, मेरी ओर देख रहा है। वह मिर्गी से पीड़ित है। वह पवित्र आत्मा के बपतिस्मा की भी मांग कर रहा है। अपने पैरों पर खड़े हो जाये, श्रीमान, अपने चंगाई को स्वीकार करें। परमेश्वर आपको पवित्र आत्मा का बपतिस्मा दे। आमीन।

191 आपके बिल्कुल सामने बैठा है, वहां पर एक बालक बैठा हुआ है, उसे भी मिर्गी का रोग है, एक तरह का बेहोश हो जाने का संकेत, वहाँ बाहर दूसरी ओर बैठा हुआ है। क्या आप विश्वास करते है कि परमेश्वर वहाँ बालक को चंगा कर देगा? क्या आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करते हैं? तब परमेश्वर बालक को चंगा कर देगा।

192 क्या आप विश्वास करते हैं, आप में से प्रत्येक? क्या—क्या वह—क्या वह वास्तव में अब्राहम का शाही बीज नहीं है? क्या वो सामर्थी जय पाने वाला नहीं है? क्या उसने प्रतिज्ञा की कि आप शत्रु के फाटकों पर अधिकार कर सकते हैं?

193 आपमें से कितने लोग बंधे हुए हैं, शत्रु के दबाव को महसूस कर रहे हैं? अपने हाथों को उठाओ, कि तुम शत्रु के दबाव को महसूस कर रहे है, और आप अब्राहम के बीज हो, अपने हाथों को *इस* प्रकार से ऊपर उठाये। कहे, "भाई ब्रंहम, मैं घबराहट से परेशान हूँ।" ओह, आपमें से लगभग अस्सी प्रतिशत इसके साथ हैं। कहे, मैं... यह अब बहुत ही घना है, कि पूरी भीड़ बस एक बड़ी दूधिया रंग के जैसी बनती जा रही है, यह लगभग मुझे अंधा बना रहा है, जहाँ पर आप हो।

194 क्या आप नहीं देखते, कि यहाँ बीस या तीस, हो सकता है, मामले हो, या उससे अधिक, ठीक यहाँ इस मंच पर और बाहर उस श्रोतागण में, कि परमेश्वर असफल नहीं होता? यह यीशु मसीह कल, आज, और

युगानुयुग एक सा है। क्या आप यह विश्वास करते है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] फिर क्यों नहीं, अब्राहम का हर एक बीज, आप अभी उस चाबी को क्यों नहीं ले लेते? वो महान जय पाने वाला, जिसने इसे आपके लिए जीत लिया, वह यहां पर है। उसने यहां पर होने को साबित किया है। क्या आप उस पर विश्वास करते हैं?

195 फिर अपने विश्वास की चाबी को ले लो, अपने हाथों से ऊपर पहुँचो, और कहो, "यीशु मसीह, मैं ठीक अभी अपनी चंगाई के लिए विश्वास करता हूं।" अपने पैरों पर खड़े हो जाओ। अपने हाथ को उठाओ, अब अपने विश्वास को खोल दो। "मैं विश्वास करता हूं, प्रभु यीशु। मैं ठीक अभी विश्वास करता हूं।"

196 अब अपने हाथ एक दूसरे के ऊपर रखें। अपने हाथों को एक दूसरे के ऊपर रखे, जो अब्राहम का एक और बीज है। अब आप उस व्यक्ति के लिए प्रार्थना करें। उन पर हाथ रखे। यीशु ने कहा, "विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे, यदि वे अपने हाथ बीमारों पर रखेंगे तो वे चंगे हो जायेंगे।"

197 शैतान, तू लड़ाई को हार चूका है। यीशु मसीह के नाम में, यहां से निकल आ, और इन लोगों को परमेश्वर की महिमा के लिये जाने दे।

कुलपति अब्राहम HIN64-0207

(The Patriarch Abraham)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में शुक्रवार की शाम, 7 फरवरी, 1964 को, केर्न काउंटी फेयरग्राउंड्स, बेकर्सफील्ड में, कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2023 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org